सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 285 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 28 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आवश्यकता है

मीडिया हाउस

में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।

8 से 10 हजार रुपए तक वेतन

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई

संपर्क : 9827806026, 8319932659

चुनाव से पहले सीएम भूपेश का मास्टर स्ट्रोक!

संविदा कर्मियों को 15 अगस्त को मिल सकती है बड़ी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले सीएम भूपेश बघेल मास्टर स्ट्रोक चल सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे संविदाकर्मियों को सीएम 15 अगस्त को बड़ा तोहफा दे सकते हैं। नियमितीकरण की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे संविदाकर्मी को सरकार अब नियमित करने का फैसला लेने जा रही है। जिसको लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने दिशा तय कर ली है। दैनिक वेतनभोगी, संविदाकर्मी और अनियमित दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को नियमित करने की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार, अंशकालीन और मानदेय में कार्यरत कर्मियों के के लिए भी विकल्प देने की तैयारी कर रही है। इन्हें किस तरह से लाभ दिया जाए उसके लिए लगातार मंथन चल रहा है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले सरकार संविदाकर्मियों को नियमितीकरण की सौगात देकर बीजेपी को बैकफुट पर लाने की रणनीति बना रही है। बता दें कि हाल ही में संविदाकर्मियों के धरना स्थल में पहुंचे बीजेपी की नेताओं ने घोषणा की थी कि बीजेपी की सरकार बनते ही संविदाकर्मियों को नियमित किया जाएगा।

मांगी गई है जानकारी

छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन

विभाग ने सभी शासकीय विभागों को सर्कुलर भेजकर नए सिरे से संविदा कर्मी, दैनिक वेतन भोगियों और अनियमित दैनिक श्रमिकों की जानकारी मांगी है। यह जानकारी विभागों को 7 दिनों के अंदर सरकार को देनी है। माना जा रहा है कि यह जानकारी मंगाने का उद्देश्य यह है कि अब सरकार इन्हें सीधे नियमित करने वाली है। खास बात यह भी है कि साल 2004 से लेकर 2018 और 2019 से 2023 के बीच रखे गए कर्मचारियों का अलग-अलग ब्यौरा मांगा गया है।

कितने कर्मचारियों को हो सकता है फायदा

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 47 विभागों में अनियमित और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या करीब 50 हजार 385 है।

लंबे समय से हड़ताल पर हैं कर्मचारी

बता दें कि लंबे समय से छत्तीसगढ़ के संविदाकर्मी हड़ताल में हैं। सरकार, संविदाकर्मियों को काम पर लौटने का अल्टीमेटम भी दे चुकी है लेकिन उसके बाद भी संविदाकर्मी आंदोलन में अड़े हुए हैं। आंदोलनकर्मियों की मांग हैं कि उन्हें नियमित किया जाए। संविदाकर्मियों का कहना है कि सरकार ने अपनी घोषणा पत्र में नियमित करने का वादा किया था जो कि अब तक पूरा नहीं हुआ है।

वहीं, संविदा और अन्य की संख्या 36 हजार 871 है। राज्य सरकार ने इन सभी कर्मचारियों का ब्यौरा मांगा है। सूत्रों की मानें 15 अगस्त को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कर्मचारियों के नियमति करने की घोषणा कर सकते हैं।

खास - खबर

6 आईपीएस का तबादला, बीएन मीणा फिर बने दुर्ग के आईजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने 6 आईपीएस अफसरों का तबादला आदेश जारी किया है। दुर्ग व बिलासपुर में आईजी को इधर उधर किया गया है। बद्री नारायण मीणा को एक बार फिर से दुर्ग संभाग का आईजी बनाया गया है। वहीं दुर्ग रेंज के आईजी आनंद छाबड़ा को बिलासपुर का आईजी बनाया गया है। इसके अलावा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी चंदखुरी रायपुर के आईजी रतनलाल डांगी को आईजी रायपुर रेंज में रायपुर जिले का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आईजी पुलिस मुख्यालय रायपुर अंकित कुमा गर्ग को सरगुजा का आईजी बनाया गया है। इसके अलावा आईपीएस राहुल भगत को राजनांदगांव का आईजी बनाया गया है। वे राजनांदगांव सहित नए बने जिले अंबागढ-मानपुर-मोहला तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई का प्रभार संभालेंगे। आईपीएस रामगोपाल गर्ग को प्रभारी आईजी सरगुजा की जगह रायगढ़, सक्ती व जशपुर जिले का उप पुलिस महानिरीक्षक का दायित्व सौंपा गया है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

अभिषेक पल्लव सहित छत्तीसगढ़ के सात पुलिस अफसरों को मिलेगा राष्ट्रपति वीरता पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के सात अफ्सर इस साल वीरता पुरस्कार के लिए चुने गए हैं। इनमें से एक पुलिस अफ्सर को मरणोपरांत यह सम्मान दिया जाएगा। 15 अगस्त को इन अफ्सरों को सम्मानित किया जाएगा। इन अफ्सरों में कबीरधाम एसपी डॉ अभिषेक पल्लव भी शामिल हैं।

सराहनीय पुलिस सेवा के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक की घोषणा कर दी गई है। छत्तीसगढ़ के 7 अफ्सरों को राष्ट्रपति वीरता पदक दिया जाएगा। इन अफ्सरों में आईपीएस व कबीरधाम एसपी अभिषेक पल्लव, आरआई वैभव मिश्रा, एसआई अश्वनी सिन्हा, एसआई यशवंत श्याम, एएसआई उसारू राम कुर्राम और इंस्पेक्टर उत्तम कुमार शामिल हैं। वहीं शहीद एपीसी कृष्णपाल सिंह कुशवाह को मरणोपरांत वीरता पदक दिया जाएगा। इस वर्ष पुलिस के इन 7 अधिकारियों को राष्ट्रपति के वीरता पदक देने की घोषणा की गई है। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह में इस वीरता पदक से उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

इस बार भ्रष्टाचार होगा भाजपा का प्रमुख मुद्दा, लेकिन जनता के बीच यह बेमायने

भाजपा का ब्रह्मास्त्र जनता के बीच फुस्सी बम!

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। चुनावी मुहाने पर खड़े छत्तीसगढ़ में चुनावी तैयारियां जोर मारने लगी है। दोनों ही प्रमुख दलों कांग्रेस व भाजपा ने मुद्दों के चयन के लिए टीम बना ली है और यह टीम चुनाव से पहले अपने-अपने घोषणा-पत्र तैयार करने में भी जुट गई है। सत्तारूढ़ दल कांग्रेस जहां विकास को आधार बनाने जा रही है और जनता पर राहतों की बारिश करने की तैयारी में है, तो दूसरी ओर भाजपा कानून-व्यवस्था व भ्रष्टाचार के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने के मूड में है। कांग्रेस का विकास कितना कारगर होगा, यह तो वक्त ही बताएगा, किन्तु भाजपा जिन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाने को तैयार है, उसे लेकर जनता में कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि भाजपा जिन मुद्दों को ब्रह्मास्त्र समझ रही है, कहीं वह फुस्सी बम तो नहीं है?

भाजपा संगठन में पूरी तरह से बदलाव के बाद भी पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत नजर नहीं आ रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस लगातार भाजपा के मुद्दों पर सीधा अटैक कर रही है। पीएम आवास योजना के नाम पर भाजपा पिछले दो साल से कांग्रेस सरकार को घेर रही थी, लेकिन सीएम भूपेश बघेल ने चुनाव से ठीक पहले गरीबों को राज्य सरकार के पैसे से पक्का मकान देने का वादा कर दिया। सॉफ्ट हिंदुत्व के साथ कांग्रेस शुरू से ही आगे बढ़ रही है। भगवान राम के ननिहाल को संवारने की कोशिश की रही है। यहां तक कि धान खरीदी के मामले में भी चुनाव के ठीक पहले सीएम ने प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी की घोषणा कर सबसे बड़े वोट बैंक को साधने की कोशिश की है। दरअसल, छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस जितनी मजबूत दिखाई दे रही है उतनी भाजपा नहीं दिख रही। कांग्रेस ने पिछले एक महीने में आंतरिक गुटबाजी को शांत करने के लिए टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाया, दीपक बैज को प्रदेश अध्यक्ष और मोहन मरकाम को प्रेमसाय सिंह टेकाम की जगह कैबिनेट मंत्री बनाया। पार्टी अब सामूहिक नेतृत्व में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आगे बढ़ रही है।

File pic

पार लगाने का जिम्मा शाह पर

इसी साल 1 मई को भाजपा के सीनियर आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली। कांग्रेस ने भी मौके का फायदा उठाकर नंदकुमार साय को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर सत्ता में बड़ी जिम्मेदारी दे दी। अब माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की डूबती नैया को पार करने की जिम्मेदारी अमित शाह को दी गई है। छत्तीसगढ़ की चुनावी रणनीतियों की अमित शाह खुद निगरानी कर रहे है, लेकिन भाजपा के लिए सत्ता में वापसी आसान नहीं है, क्योंकि कांग्रेस का छत्तीसगढ़ियावाद भाजपा के सामने एक बड़ी चुनौती है। इधर, शाह के लगातार दौरों को लेकर कांग्रेस सवाल उठा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ भाजपा चुनाव लड़ने के लिए सक्षम नहीं है. इसलिए अमित शाह को यहां की कमान संभालनी पड़ी है। वहीं भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पार्टी राज्य में चुनाव जीतने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारी शक्ति बूथ स्तर पर बढ़ रही है। एक महीने में 4 बड़े नेताओं का दौरा हुआ है। आने वाले समय में और भी राष्ट्रीय नेता छत्तीसगढ़ आने वाले है। इससे कांग्रेस घबरा गई है।

छापों से खलबली

छत्तीसगढ़ में भाजपा लगातार मुद्दों की तलाश में भटक रही है। इस बीच अब छत्तीसगढ़ में ईडी और आयकर विभाग की एंट्री से खलबली मची हुई है। ईडी ने पिछले 8 महीने में 500 करोड़ का कोयला व 2 हजार करोड़ के कथित शराब घोटाले का खुलासा किया है। इसमें कई आईएएस अफसर और कांग्रेस नेताओं को सेंट्रल एजेंसी घेरे में ले रही है। वहीं पीएम मोदी भी 7 जुलाई को रायपुर की आमसभा में भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई की गारंटी देकर गए है। मोदी छत्तीसगढ़ में भी डबल इंजन की सरकार बनाने का दावा कर चुके है। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस के दावों में कितना दम है ये चुनाव परिणाम के बाद ही समझ आएगा। लेकिन इस बीच गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे के राजनीतिक मायनों को समझना भी जरूरी है। वे एक महीने में तीन बार छत्तीसगढ़ का दौरा कर चुके हैं। यह संकेत है कि हाईकमान की नजरों में छत्तीसगढ़ में भाजपा के हालात सामान्य नहीं है।

चार साल में बदले तीन अध्यक्ष

भाजपा लगातार हर मोर्चे में कांग्रेस से मात खा रही है, इसलिए हाईकमान ने छत्तीसगढ़ की कमान खुद संभाली है। वैसे, भाजपा मुद्दों की तलाश में लगातार भटकती हुई नजर आती है। हालांकि पिछले 6 महीने में पार्टी में सक्रियता देखने को मिली है। भाजपा ने बेरोजगारी, शराबबंदी, पीएम आवास योजना और पीएससी घोटाले पर बड़े स्तर में प्रदर्शन किया है, लेकिन भाजपा की चुनौती संगठन के नेतृत्व के मामले में बढ़ रही है। क्योंकि 4 साल में 3 प्रदेश अध्यक्ष बदले जा चुके है। अब कमान सांसद अरुण साव को दी गई है। इसके बाद भी मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। भाजपा युवा नेताओं की नई टीम को चुनावी मैदान में उतार रही है तो इससे पार्टी के पुराने यानी 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाले नेताओं की पूछ-परख कम हो गई है। माना जा रहा है कि हाईकमान ऐसे नेताओं को सुनियोजित तरीके से साइड लगा रहा है।

पीएम के दौरे में दिखा असर :- 7 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर दौरे में कई नेताओं को तवज्जो नहीं मिली। मंच पर पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत को जगह नहीं मिली तो वे कलाकारों के लिए बनाए गए मंच में अकेले बैठकर पीएम मोदी को सुनते देखे गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ तो मूणत ने किसी भी तरह की नाराजगी से इंकार कर दिया। लेकिन भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रमों में ये साफ दिखाई पड़ रहा है कि पार्टी के पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, प्रेमप्रकाश पांडेय, अमर अग्रवाल, पुन्नूलाल मोहले, रामसेवक पैकरा, रमशीला साहू, दयालदास बघेल और भैयालाल राजवाड़े जैसे सीनियर नेता पार्टी के कार्यक्रमों से दूर नजर आ रहे है। हालांकि इन नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कभी नाराजगी जाहिर नहीं की है।

जिलों के मंत्रियों को नया प्रभार : गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद व बिलासपुर और डिप्टी सीएम सिंहदेव संभालेंगे बेमेतरा व कबीरधाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंत्रियों के जिला प्रभार में फेरबदल किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में गुरुवार देर रात आदेश जारी किया गया। छत्तीसगढ़ सरकार के सभी 12 मंत्रियों के प्रभारी जिलों की नई सूची जारी की गई है। आदेश के अनुसार गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद व बिलासपुर की जिम्मेदारी मिली है। वहीं ड़िप्टी सीएम टीएस सिंहदेव बेमेतरा व कबीरधाम जिले की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मंत्री मोहम्मद अकबर के पास दुर्ग जिले का प्रभार

यथावत रखा गया है साथ ही उन्हें बालोद जिले की जिम्मेदारी भी दी गई है। मंत्री रविन्द्र चौबे को रायपुर और रायगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा कवासी लखमा को बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोण्डागांव, नारायणपुर तथा मंत्री शिव डहरिया को सरगुजा(अंबिकापुर), बलरामपुर-रामनुजगंज, सूरजपुर व कोरबा जिले का प्रभारी बनाया गया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया को उत्तर बस्तर कांकेर व धमतरी तथा मंत्री गुरू रूद्रकुमार को मुंगेली व सुकमा की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल को जांजगीर-चांपा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, सक्ती का प्रभार दिया गया है। मंत्री उमेश पटेल को बलौदाबाजार-भाटापारा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, जशपुर की जिम्मेदारी दी गई है। मोहन मरकाम को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर व कोरिया तथा मंत्री अमरजीत भगत को राजनांदगाव, गरियाबंद, खैरागढ़-छुईखदान-गंड़ई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की जिम्मेदारी मिली है।

कटेकल्याण के सरकारी अस्पताल में अचानक गिरी सीलिंग, बाल-बाल बचे मरीज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ा हादसा टल गया। अस्पताल की छत की सीलिंग अचानक गिर गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटेकल्याण की छत से लगातार सीपेज होने से सीलिंग भर भरा कर गिर गई। हालांकि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार ओपीडी के सामने की सीलिंग अचानक गिर गई। गनीमत ये रही कि उस समय ओपीडी के सामने मरीजों की ज्यादा भीड़ नहीं थी। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। मरीज रोज इसी जगह पर ओपीडी पर्ची बनवाने के लिए लाइन में खड़े होते है। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जिले के कुआकोंडा, कटेकल्याण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की छत सीपेज हो रही है, जिससे अस्पताल चारों तरफ गंदगी का भी आलम है। कटेकल्याण सामुदायिक में जगह-जगह बिजली के बोर्ड भी खुले हुए हैं। बारिश में इन बोर्डो से भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

क्या खाकर ऐसी बातें करते हैं नेता

श्रीकंचनपथ

सुकमा के एक बालिका छात्रावास में पांच साल की बच्ची से अनाचार किया गया। यह एक जघन्य अपराध है। जिन लोगों पर इन बच्चियों की देखरेख और सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, उनके खिलाफ भी तत्काल सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह जिम्मेदारी छात्रावास अधीक्षिका से लेकर महिला एवं बाल विकास के अधिकारियों तक की बनती है कि वे यहां रहने वाली बच्चियों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करें। जनप्रतिनिधि और समाज प्रमुख भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। आखिर यह कैसे संभव हो जाता है कि बालिका छात्रावास में रात-बेरात पुरुष घुस आते हैं? इस घटना पर पुलिस ने तत्परता का परिचय दिया। इलाके के मोबाइल फोन के टावर डंप डाटा के आधार पर उसने 50 लोगों को हिरासत में लिया और उनकी शिनाख्ती परेड करवाई। बच्ची ने आरोपी को पहचान लिया। उसे गिरफ्तार किया जा चुका है। पर इससे उन लोगों की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती जिनपर ऐसी घटनाओं को न होने देने की जिम्मेदारी है। पर अब इस मामले में छिछोरी राजनीति का प्रवेश हो गया है। भाजपा की महिला विधायकों, पूर्व मंत्री की टीम छात्रावास पहुंचती है। बच्चियों से बातचीत करती है और राजधानी रायपुर लौटकर प्रेस कांफ्रेंस करती हैं। वे कहती हैं कि बच्ची की हालत देखकर लगता है कि उसके साथ गैंग रेप हुआ है। ऐसे लोगों को विधानसभा नहीं बल्कि पुलिस में होना चाहिए। वे एक ही समय पर पुलिस अधिकारी, डाक्टर और जज की भूमिका निभा सकती हैं। चटपट निरीक्षण और फटाफट फैसला। वैसे भी कहा जाता है कि न्याय मिलने में यदि विलम्ब हो तो वह न्याय नहीं रह जाता। इन्हें रख लिया तो न्यायालय के पेंडिंग केस भी खत्म हो जाएंगे। डाक्टरी मुलाहिजे की औपचारिकता भी खत्म हो जाएगी। आखिर सब लाइसेंस का ही तो खेल है। दरअसल, इस मामले को राजनीतिक रंग देने की एक बड़ी वजह है। देश संसद में मणिपुर के हालात को लेकर सवाल पूछ रहा है। वहां कोई जवाब देने को तैयार नहीं है। केन्द्र को लगता है कि मामले पर तबतक चुप्पी साधे रहना चाहिए जब तक कोई दूसरा उससे भी गर्म मामला सामने नहीं आ जाता। मामला उतना या उससे ज्यादा गर्म नहीं भी हुआ तो उसे गर्म करने के लिए इंडक्शन से लेकर माइक्रोवेव तक का इंतजाम है। सोशल मीडिया सेल आखिर किस मर्ज की दवा है। वह किसी भी घटना के साथ नया-पुराना इतिहास जोड़कर इतने विश्वसीय ढंग से उसे प्रस्तुत कर सकता है कि देश की अपढ़-कुपढ़ जनता उसपर झट यकीन कर लेगी। और फिर पालतू मीडिया तो है ही, जो घटना को मनचाही दिशा दे सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री सिंह की चुप्पी को लेकर उनपर काफी फब्तियां कसी गईं। पर ऐसी घटनाओं पर कोई कहे भी तो क्या कहे। लगभग सभी राज्यों में महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध होते हैं। समाज भी मूकदर्शक बनकर इसके मजे लेता है। कुछ सभ्य लोग इन घटनाओं में भी टीआरपी ढूंढते हैं।

संपादकीय

मणिपुर में कोशिश

मणिपुर की समस्या के समाधान व शांति के लिए कोई भी पहल स्वागतयोग्य और अनुकरणीय है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जहां दोनों पक्षों के नेताओं से संवाद का नया दौर शुरू किया है, तो वहीं विपक्षी सांसदों ने भी शनिवार-रविवार को पूर्वोत्तर जाने का फैसला किया है। सामूहिक और चौतरफा प्रयासों की आज जरूरत है। मणिपुर में करीब तीन महीने से जारी जातीय हिंसा के बीच गृह मंत्रालय ने बुधवार को कुकी विद्रोही समूहों के साथ बातचीत की है, ये वे कुकी विद्रोही समूह हैं, जिनका पहले भी सरकार से शांति समझौता हुआ है, पर कहीं न कहीं इन विद्रोहियों की भूमिका मणिपुर हिंसा को भड़काने में भी है। हालांकि, ऐसे समूहों को समझाने और शांति के लिए साथ लेकर चलने की कोशिश सराहनीय ही कही जाएगी। शुरुआती बातचीत में कुकी नेताओं ने मणिपुर से अलग प्रशासन की मांग की है। पहले ये क्षेत्रीय परिषद की मांग कर रहे थे, लेकिन अब अपना अलग प्रशासित क्षेत्र चाहते हैं। दरअसल, विगत दिनों में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच अविश्वास की जो दीवार उठी है, उसने ही अलग प्रशासन और अलग रहने की मांग को बल दिया है। कुकी को अलग प्रशासन देने का मतलब यह है कि मणिपुर के अंदर ही जातीय आधार पर एक प्रकार का विभाजन। क्या सरकार इसके लिए तैयार हो जाएगी? यदि कुकी क्षेत्र के अलग प्रशासन से मणिपुर में शांति स्थापित हो जाए, लोगों के विश्वास की बहाली हो जाए, तो अवश्य विचार करना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं, मणिपुर में दोनों ही समुदायों ने देश को निराश किया है। यह भी दुख की बात है कि जब मिलकर रहने की बात होनी चाहिए, तब अलग रहने की मांग हो रही है। मैतेई तो अब यह भी आरोप लगा रहे हैं कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति के तहत आरक्षण देने का विरोध तो एक बहाना था, कुकी विद्रोहियों का असली मकसद अपने लिए अलग प्रशासन की मांग करना था। खैर, ऐसे आरोपों में क्षेत्रीय सियासत ज्यादा व समझदारी कम होती है। सच यह है कि कुकियों ने मैतेई को पहाड़ों से और मैतेई समाज ने कुकियों को इंफाल घाटी से खदेड़ दिया है। अब दोनों ही समुदाय के नेताओं को अमन-चैन की वापसी मुश्किल लग रही है, पर यह ठीक नहीं है। दोनों समुदायों के नेताओं से अलग-अलग बातचीत के साथ ही, साथ बिठाकर भी बातचीत की कोशिश करनी चाहिए। भारत देश और देशभक्ति के विचार को सामने रखकर अविश्वास की खाई को पाटना चाहिए। क्या विपक्षी नेता मणिपुर के लोगों के घावों पर मरहम लगा पाएंगे? राज्य की भाजपा सरकार हिंसा रोकने में अपनी विफलता को लेकर विपक्ष के निशाने पर है और जाहिर है, विपक्ष मणिपुर पहुंचकर उसे कोई रियायत नहीं देगा। यह सच है कि राज्य सरकार की विफलता के बावजूद मुख्यमंत्री को नहीं बदला गया है। पहले ऐसा लगा था कि बीरेन सिंह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं, पर कथित रूप से उनके समर्थकों ने उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। निस्संदेह, विफल नेतृत्व में जब बदलाव होता है, तो इससे शांति बहाली को बल मिलता है और सियासत की गुंजाइश भी घटती है। कहना न होगा, दंगे या उपद्रव से सभी पक्षों को परेशानी होती है। किसी भी तरह के अलगाववाद की कीमत भी सभी को चुकानी पड़ती है। समाज, प्रदेश या देश संवाद व समन्वय से ही बनता है। मणिपुर में शांति बहाली में जुटे किसी भी भारतीय नागरिक, जनसेवक या नेता को यह ध्यान रखना चाहिए।

> सच यह है कि कुकियों ने मैतेई को पहाड़ों से और मैतेई समाज ने कुकियों को इंफाल घाटी से खदेड़ दिया है। अब दोनों ही समुदाय के नेताओं को अमन-चैन की वापसी मुश्किल लग रही है, पर यह ठीक नहीं है। दोनों समुदायों के नेताओं से अलग-अलग बातचीत के साथ ही, साथ बिठाकर भी बातचीत की कोशिश करनी चाहिए।

एक मुख्यमंत्री की आत्मा

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मीडिया को अपने बारे में कभी बताया था कि फुटबॉल खेलना उनका शौक था और पत्रकारिता उनका जुनून। लेकिन आत्मा की पुकार पर लोगों की सेवा करने वे राजनीति में उतरे। इसलिए अब ये सवाल लाजिमी हो जाता है कि उनके राज्य में ढाई महीने से जारी हिंसा, सवा सौ से अधिक लोगों की मौत, पचास हजार से ज्यादा लोगों के विस्थापन के बीच उन्होंने लोगों की कैसी सेवा की है? इसी बीच चार मई को वह रोंगटे खड़ा देने वाला वीडियो वायरल हुआ, जिसने न सिर्फ पूरे भारत, बल्कि दुनिया की संवेदना को झकझोर दिया। इसके बावजूद जिस 'आत्मा की पुकार पर' बीरेन सिंह राजनीति में आए थे, वह आखिर क्यों नहीं जागी है? उलटे मुख्यमंत्री ने एक टीवी चैनल से बातचीत में यह कहकर अन्य लोगों की आत्मा को झकझोर दिया कि जैसा दृश्य वीडियो में दिखा, वैसी सैकड़ों की घटनाओं की शिकायतें उनके राज्य में दर्ज हुई हैं। जब यह सब हुआ है, तब मुख्यमंत्री का व्यवहार कैसा रहा है, उसकी कहानी अब खुद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के विधायक और नेता मीडिया को बता रहे हैं। यह शिकायत आम है कि संकट के इस पूरे दौर में बीरेन सिंह ने राज्य के सभी लोगों के नेता बतौर नहीं, बल्कि एक समुदाय विशेष की तरफ से काम किया है। उधर उनकी पार्टी के आलाकमान का हाल यह है कि मणिपुर सांप्रदायिक हिंसा की आंच में लगातार झुलसते रहने के बावजूद मुख्यमंत्री पर इसकी कोई आंच नहीं आई है। जबकि इस दौर में बीरेन सिंह ने ना तो अच्छे राजनेता की मिसाल कायम की है, और ना ही वैसी खेल भावना दिखाई है, जिसकी फुटबॉल जैसे खेल में जरूरत पड़ती है। इस टिप्पणी में दम है कि अगर फुटबॉल होता, तो ऐसे आचरण पर कब का संबंधित खिलाड़ी को रेड कार्ड दिखा दिया गया होता। जबकि हकीकत का यही तकाता है। राज्य में अविश्वास की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि अब बतौर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को रेड कार्ड दिखाए (यानी उनसे इस्तीफा लिए) बगैर किसी नई शुरुआत की गुंजाइश बहुत कम रह गई दिखती है।

अर्थव्यवस्था की असल कहानी

अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करने की तमाम कोशिशों के बावजूद अखबारी सुर्खियां लगभग रोज ही असल कहानी बता रही हैं। बिगड़ते हालात का कारण है: अनिश्चित आर्थिक माहौल, ऊंची महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, औसत वेतन में कम बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की (अंग्रेजी के) के अक्षर जैसी रिकवरी।

भारतीय अर्थव्यवस्था की खुशहाल कहानी प्रचारित करने की कोशिशें अपनी जगह हैं, लेकिन इनके बीच ही देश के आम जन का असली हाल का इजहार मुख्यधारा मीडिया की सुर्खियों से भी हो जाता है। कोई ऐसा दिन नहीं जाता, जब अखबारों में ऐसी कोई खबर देखने को ना मिले, जिनसे देश में घटती मांग, उपभोग के गिर रहे स्तर, रोजगार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियों और देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की कहानी सामने ना आती हो। मसलन, इन खबरों पर ध्यान दीजिए: एक खबर के मुताबिक भारत में मोबाइल फोनों की बिक्री गिर रही है। 2023 के पहले छह महीनों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में बिक्री की यह संख्या पांच करोड़ हैंटसेट से नीचे रही। यह लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट है। ऐसा क्यों हुआ, यह भी उसी अखबारी रिपोर्ट में बताया गया। ये कारण रहे: अनिश्चित आर्थिक माहौल, ऊंची महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, औसत वेतन में कम बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की (अंग्रेजी के) के अक्षर जैसी रिकवरी। एक दूसरी खबर यह आई है कि भारत में दफ्तर स्थलों की मांग मद्धम हो गई है। इसका एक प्रमुख कारण यह बताया गया है कि कंपनियों ने नए कर्मियों की भर्तियों का अपना अनुमान गिरा दिया है। एक अन्य खबर है कि स्टार्टअप्स में होने वाले निवेश की वृद्धि दर दस तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है।

> सातवीं कमी, स्थानीय निकाय न होना। देश में जो 8,000 छोटे-बड़े शहर हैं, उनमें से आधे में नगर प्रबंधन की जरूरी व्यवस्था नहीं है। ये कस्बे अभी भी पंचायती राज व्यवस्था के तहत आते हैं। इन कस्बों में नगर योजना का कहीं दूर तक नामोनिशान नहीं है। इन तमाम कमियों का निदान कैसे हो? निदान के लिए भी कुछ कदम हैं, जो हमें जल्दी उठाने पड़ेंगे।

अपनी कमियों से छोटे शहर भी पानी-पानी

के के पाण्डेय, प्रोफेसर, अर्बन मैनेजमेंट, आईआईपीए

वर्षों बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौजूद एक सूखती या सिमटती सी नदी हिंडन में खूब पानी आया है। गाजियाबाद व नोएडा का एक बड़ा इलाका डूब गया है। आम तौर पर जलभराव की वजह से बड़े शहर सुर्खियों में आ जाते हैं, पर अब छोटे और मझोले शहर भी चर्चा में हैं। सच यह है, बारिश के कारण जलजमाव की समस्या मझोले और छोटे शहरों में उतनी ही व्यापक है, जितनी बड़े शहरों में। देश में 95 प्रतिशत से भी अधिक मझोले और छोटे शहर हैं। हमारे देश में करीब 8,000 नगर निकाय हैं, इनमें से करीब 300 बड़े शहर हैं और बाकी सब मझोले व छोटे शहर हैं। इन शहरों में कई कमियां हैं, जिनकी चर्चा आज जरूरी है।

पहली कमी, नगर नियोजकों का अभाव। बड़े शहरों में तो नगर नियोजक हैं, पर छोटे शहरों में बहुत कम हैं। भारत में एक लाख की शहरी आबादी पर 0.23 नगर नियोजक हैं। इंग्लैंड में प्रति लाख आबादी पर 38 और ऑस्ट्रेलिया में 23 नगर नियोजक हैं। नगर नियोजकों का अभाव हमारे सभी शहरों में है और इसका सबसे ज्यादा असर मझोले और छोटे शहरों में दिखता है।

दूसरी कमी, मानव संसाधन का कम होना। यह सामान्य सी बात है कि अभी एक कार्यकारी अधिकारी दो-तीन शहरों का काम देखता है। चूंकि नगर नियोजन के काम में कम लोग लगे हैं, इसलिए जो बजट बनता है, वह भी ठीक से खर्च नहीं हो पाता है। तीसरी कमी, मझोले व छोटे शहरों में भी अवैध रूप से होने वाले निर्माण कार्य। जब मानव संसाधन या देखने या टोकने वाला ही कोई नहीं है, तो नियोजन या क्रियान्वयन कैसे होगा? चौथी कमी, अव्यवस्थित सड़कें और नालियां। सड़कें और नालियां जब किसी शहर में सही नहीं होती हैं, तो जल बहाव को बाधित करती हैं। पांचवीं कमी, कचरे की अव्यवस्था। जो सूखा कचरा हो या गीला कचरा, अभी दोनों की ही निकासी व्यवस्था कमजोर है। छठी कमी, जल स्रोत या जल निकाय का क्षरण। अपने जल निकाय, झील या नदी के क्षेत्र में अभी भी लोग या शहर अपना कचरा बहा देते हैं या डाल देते हैं। अपने किसी भी छोटे और मझोले शहर को देखिए, जल निकायों का जो आकार है, वह लगातार कम होता चला जा रहा है, जिससे पानी शहरी बस्तियों में एकत्र होने लगा है।

सातवीं कमी, स्थानीय निकाय न होना। देश में जो 8,000 छोटे-बड़े शहर हैं, उनमें से आधे में नगर प्रबंधन की जरूरी व्यवस्था नहीं है। ये कस्बे अभी भी पंचायती राज व्यवस्था के तहत आते हैं। इन कस्बों में नगर योजना का कहीं दूर तक नामोनिशान नहीं है। इन तमाम कमियों का निदान कैसे हो? निदान के लिए भी कुछ कदम हैं, जो हमें जल्दी उठाने पड़ेंगे।

पहला कदम, जल निकासी का अध्ययन। हर शहर में जल निकासी का विस्तृत अध्ययन होना चाहिए। यह देखना होगा कि किसी क्षेत्र में जो जल इकट्ठा होता है, वह कहां जाता है? इसका अध्ययन करने की जरूरत है। दूसरा, जल निकायों का क्षेत्र या नक्शा दुरुस्त करना। चूंकि नगर नियोजकों का अभाव है, इसलिए एक टीम बना दी जाए, जो कई नगरों का अध्ययन करे और जल प्रबंधन योजना तैयार करे। दो तरह की योजनाएं हों, एक सामान्य जल प्रबंधन के लिए और दूसरी आपातकालीन जल प्रबंधन के लिए। तीसरा, जल निकायों का संरक्षण। तमाम जल निकायों के संरक्षण की योजना नगर नियोजकों की टीम बनाए। चौथा, मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी और जिला प्लानिंग कमेटी का जिस तरह से गठन होना था, वह नहीं किया गया है। जब ये दोनों कमेटियां मिलकर काम करेंगी, तो गांव और शहर, दोनों के जल निकायों पर काम होगा। अकेले शहर के जल निकायों पर काम करने से असरकारी समाधान नहीं होगा, गांव के जल निकायों पर भी काम करना होगा।

यह अच्छी बात है कि पंद्रहवें वित्त आयोग ने जल प्रबंधन और निकासी के लिए पर्याप्त धन दिया है। इस धन को नगरों के अंदर ही नहीं, बल्कि बाहर भी खर्च करना है। इसके अलावा राज्य वित्त आयोग का भी धन उपलब्ध है, उसका भी पूरा उपयोग होना चाहिए। जो कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व का पैसा है, उसे भी जल प्रबंधन में लगाया जा सकता है। निजी क्षेत्र की कंपनियों से भी धन उपलब्ध हो सकता है। आज एक तो सामान्य बजट समर्थन चाहिए, वहीं अतिरिक्त बजट समर्थन की भी नगरों को जरूरत है। अगर प्रयास किया जाए, तो सांसद व विधायक कोश से भी नगर नियोजन के लिए धन लिया जा सकता है। इन तमाम संसाधनों का लाभ लेते हुए अगर हम जल निकासी की सामान्य व आपातकालीन योजनाएं बनाएं, तो हमारे सभी शहर चैन की सांस ले पाएंगे।

हमें ध्यान रखना होगा कि भविष्य में यह बारिश कम नहीं होने वाली। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से असामान्य बारिश का क्रम बना रहेगा। इससे निपटने की योजना बनाना अपरिहार्य है। समस्या को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। इस बार हम देख रहे हैं, हिंडन जैसी लगभग सूख चली नदी में भी पानी आया है, गाजियाबाद में भी और नोएडा में भी बड़ा असर दिख रहा है। नोएडा में तो नगर निकाय अभी भी नहीं है। नोएडा से सटा हुआ खोड़ा को दो साल पहले ही नगर निकाय का दर्जा मिला है। साल 1976 से बन रहा नोएडा अभी भी निर्माण की प्रक्रिया में है। यहां नगर निकाय बनाने की जरूरत है। नोएडा के मुकाबले में देखें, तो नवी मुंबई परियोजना 1980 में शुरू हुई और 1990 में वहां नगर निकाय बन गया। बेशक, निकाय बनने से जनता की आवाज सुनने में सुविधा होती है।

अभी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ही मौजूद शहरों के बीच समन्वय का अभाव है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड तो है, पर उसकी कोई नहीं सुनता है। समन्वय के साथ काम होना चाहिए, तभी गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली इत्यादि में हम नगरीय प्रबंधन की समस्याओं से जूझ पाएंगे। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड को सक्रिय करने की जरूरत है।

आज जो शहर या शहरों के इलाके पुराने पड़ चुके हैं, वहां भी शहरी पुनरोद्धार या नवीनीकरण योजनाओं को लागू करने की जरूरत है। समय आ गया है कि केंद्र सरकार के सभी शहरी अभियानों को एकजुट किया जाए, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी योजना या स्वच्छ भारत अभियान है, इन तीनों अभियानों के आपसी विमर्श की जरूरत है। सबको देखना होगा कि जलनिकासी के कार्यक्रम में तीनों अभियानों के सम्मिलित प्रयास को कैसे प्रभावी बनाया जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कानूनी गिरफ्त में किसी का कीमती वक्त बर्बाद न हो

कमलेश जैन, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

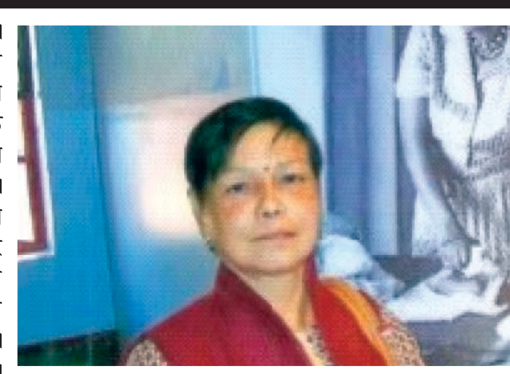

एयर होस्टेस गीतिका शर्मा के मामले में 11 वर्षों के बाद आए फैसले के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन पर गौर किया जाना चाहिए। इसके मुख्य अभियुक्त थे गोपाल कांडा। और कई तथ्यों के अलावा मामला मुख्यत: गीतिका के 'सुसाइड नोट' पर आधारित था। आपराधिक मामलों में बाकी सुबूतों के अलावा यदि सुसाइड नोट भी एक साक्ष्य है, तो अदालत उसे ठोस सुबूत मानती है, क्योंकि यही माना जाता है कि मौत के मुंह में जाता व्यक्ति झूठ नहीं बोलता। मगर सुसाइड नोट तभी कारगर होता है, जब प्रताड़ना-उकसावे के कुछ घंटे के भीतर आत्महत्या की गई हो। यानी, प्रताड़ित होने, 'सुसाइड नोट' लिखने और आत्महत्या के बीच का फासला यह साबित करता हो कि मरने वाले व्यक्ति को इस कदर आघात लगा कि उसने जान देना मुनासिब समझा।

कानूनन वही सुसाइड नोट अदालत में टिकता है, जिसे लिखने के चंद घंटों के भीतर व्यक्ति ने आत्महत्या की हो। गीतिका शर्मा के सुसाइट नोट की कुछ खास पंक्तियां हैं, 'मैं आज खुद को खत्म कर रही हूं, क्योंकि मैं अंदर से टूट चुकी हूं। मेरा भरोसा टूट गया है और टूट रहा है। मेरी मौत के लिए दो लोग जिम्मेदार हैं- अरुणा चड्ढा और गोपाल गोयल कांडा। इन दोनों ने मेरा भरोसा तोड़ा है और अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया। इन्होंने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। यहां दोनों व्यक्तियों की तरफसे आत्महत्या के लिए दो-चार घंटे पहले ऐसे उकसाया नहीं गया था कि गीतिका उसे बर्दाश्त न कर सकी और आत्महत्या कर ली।

यदि आत्महत्या कर रहे व्यक्ति के पास सोचने, समझने या निर्णय लेने का पर्याप्त समय है और वह सामान्यत: ठीक-ठाक सोच का मालिक है, तो वह अपनी जान लेने की कतई कोशिश नहीं करेगा। मगर यदि व्यक्ति ढुलमुल और कमजोर मन-मस्तिष्क का मालिक है, तो वह दुखी होने या धोखा खाने के महीनों बाद भी आत्महत्या कर सकता है। कानून में आत्महत्या जैसे मामलों में सामान्य बुद्धि-दिमाग वाले व्यक्ति द्वारा उठाए गए कदम पर ही किसी को दोषी ठहराया जाता है। फिर, अपने पत्र में चड्ढा व कांडा की कुछ गलतियों को गीतिका माफ करती हुई भी दिखती है। यह वर्षों का हिसाब-किताब है, और कभी भी इस परिस्थिति से बाहर निकला जा सकता था। अत: अदालत ने यदि गोपाल कांडा को दोषी नहीं ठहराया, तो यह अनुचित नहीं है।

सवाल यह भी है कि जब तक कोई व्यक्ति किसी मामले से इस तरह निर्दोष बाहर निकलता है, तब तक अदालती प्रक्रिया में उलझकर अपना सब कुछ गंवा चुका होता है, यहां तक कि सामाजिक प्रतिष्ठा भी, तो क्या उसे इसकी क्षति-पूर्ति नहीं मिलनी चाहिए? रिया चक्रवर्ती व आर्यन खान का मामला ताजा है। वैसे, जहां तक मुआवजे की बात है, तो यह अदालत या राज्य की तरफ से तभी मिलता है, जब व्यक्ति बेवजह, बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के जेल में रखा गया हो। उसे रिहा किए जाने के बाद भी जेल से बाहर नहीं किया गया, जेल में ही उसकी मृत्यु हो जाती है या थाने में उसकी हत्या हो जाती है, आदि। हालांकि, ऊपरी अदालतों में मुकदमों के निस्तारण में वक्त न लगे और त्वरित न्याय-प्रक्रिया सुनिश्चित हो, तो विचाराधीन कैदियों का बोझ कम हो सकता है। अभी होता यह है कि जिस मुकदमे का निर्णय ज्यादा से ज्यादा एक साल में होना चाहिए, उसमें भी 11-11 साल लग जाते हैं। साल 1983 में सर्वोच्च न्यायालय ने मेरे एक मुकदमे (रूदल साहा बनाम बिहार राज्य) में बतौर मुआवजा 35 हजार रुपये चुकाने का आदेश दिया था, जो अपनी तरह का पहला फैसला था। यह मुआवजा इसलिए दिया गया था, क्योंकि 16 साल पहले रिहाई के बावजूद उसे जेल में रखा गया था।

याद रखिए, गीतिका की आत्महत्या के वक्त गोपाल कांडा हरियाणा सरकार में राज्यमंत्री थे। वह 18 महीने जेल में भी रहे। ऐसे में, जनता का न्याय-प्रणाली पर असंतोष गलत नहीं जान पड़ता। हालांकि, यह काफी कुछ पुलिस-प्रशासन से जुड़ा मसला भी है कि वे किसी मामले को किस तरह से अदालत में पेश करते हैं। फिर भी, सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार को मिलकर इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए, ताकि कानूनी गिरफ्त में किसी व्यक्ति का कीमती वक्त बर्बाद न हो।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

लापता चीनी विदेश मंत्री की छुट्टी!

श्रुति व्यास

चिन गांग चीन के विदेश मंत्री थे। 'थे' इसलिए क्योंकि एक महीने पहले वे रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गए। इसके कुछ दिनों बाद उनके दिखलाई नहीं देने की अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बनने लगीं। किसी को पता नहीं कि उनका हुआ क्या? वैसे कोई भी यह नहीं जानता है कि चीन में होता क्या है? चलता क्या है? बावजूद इसके चिन गांग का लापता होना इसलिए दिलचस्प है क्योंकि वे चीन के राजनीतिक आकाश के तेजी से उभरते सितारे थे। लेकिन जितनी तेजी से उभरते उतनी ही जल्दी वे गायब भी हो गए।

चिन गांग तब मशहूर हुए जब वे बीजिंग में विदेश मंत्रालय के तीखी लहजे वाले प्रवक्ता बने। उन्हें यूरोप के मसलों की काफी जानकारी थी। उनका दिमाग तेज था। वे पश्चिम को नीची निगाहों से देखते थे। इसके चलते उन्हें राष्ट्रपति शी जिंनपिंग के कूटनीतिक प्रोटोकाल संभालने का दायित्व मिला। उन्हें अमरीका में चीन का राजदूत बनाया गया और एक साल पहले वे विदेश मंत्री बने। बिना किसी अपराधबोध के उन्होंने कोविड काल में दुनिया से चीन के अलग-थलग पड़ने की स्थिति को समाप्त किया। उन्होंने अमरीका और अन्य पश्चिमी देशों से चीन के तनावपूर्ण संबंधो को सामान्य करने के प्रयास किए। चिन गांग, चीन के आत्मविश्वासी विश्वशक्ति बनने के सपने में यकीन रखते थे। वे शिष्ट थे और उनमें चीन के नजरिए को समझाने व उसका बचाव करने की कूटनीतिक अक्ल थी। और उन्होंने शी की प्रशंसा करने का कोई भी मौका शायद ही गंवाया हो। इसी का नतीजा था कि वे बहुत कम समय में सर्वोच्च नेता का भरोसा हासिल करने में सफल रहे।

लेकिन जब 25 जुलाई को उन्हें हटाए जाने की औपचारिक घोषणा हुई तो यह अजीब घटना विश्व भर के कूटनीतिज्ञों में दिलचस्प चर्चा का विषय बनी। उनके मातहतों ने हिचकिचाते हुए उनकी गैर-मौजूदगी का कारण सेहत बताया था। लेकिन घोषणा में यह कारण नहीं बताया गया। तभी उनके गायब होने की नाटकीयता कौतुकता का कारण है।

अपने कार्यकाल के दौरान चिन गांग ने इतनी कुशलता से कार्य किया कि वे चीन की वैश्विक छवि के प्रतीक बन गए। वे इतने लोकप्रिय और अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षकों के बीच जाने-माने व्यक्ति बने, जितना कोई अन्य चीनी नेता नहीं था। वे फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते थे और यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन्स के स्नातक थे जो बीजिंग स्थित चीन की सुरक्षा सेवाओं से जुड़ा संस्थान है। सन् 1992 में विदेश मंत्रालय में आने के पहले वे बीजिंग ब्यूरो ऑफ युनाईटेड प्रेस इंटरनेशनल में सहायक के पद पर थे। वे अपने अंतर्राष्ट्रीय अनुभवों का उपयोग करते हुए विदेशी अतिथियों से हल्की-फुल्की चर्चा कर पाते थे (कहा जाता है कि वे एनबीए में रूचि रखते थे और आर्सेनल क्लब के समर्थक थे)। वे पश्चिमी संस्थाओं और यहां तक कि धार्मिक संस्थानों के पाखंड के बारे में अपनी राय खुलकर रखते थे। वे विभिन्न विदेशी मीडिया संस्थानों के बारे में भी अपना दृष्टिकोण व्यक्त करते थे, जिससे लगता था कि बीजिंग में रहते हुए भी उनके बारे में जानते हैं। वे चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के रूप में चीन के पक्ष में सख्त रूख रखने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते थे, लेकिन साथ ही उनकी पहचान एक ऐसे व्यक्ति के रूप में भी थी जो दूसरों का दिल जीत सकता है। साथ ही वे 'वुल्फ वारीअर' भी थे अर्थात एक ऐसा व्यक्ति जो आक्रामक शैली में और कड़े शब्दों में चीन और उसकी कम्युनिस्ट पार्टी का बचाव करता है। उनके लापता होने के बाद सोशल मीडिया में इन अफवाहों ने जोर पकड़ा है कि उनका एक महिला टेलिविजन प्रस्तुतकर्ता के साथ अफेयर था, जो स्वयं सोशल मीडिया पर अत्यंत सक्रिय थी और वह भी अचानक 'गायब' हो गई है। इसके अलावा चीन के बतौर अमरीकी राजदूत उनके एक महिला से सम्बन्ध की चर्चा भी है। हालांकि सच क्या है, यह कोई नहीं जानता और इस मामले में कम्युनिस्ट पार्टी की अपारदर्शिता से साफ होता है कि शी जिंगपिंग की राजनैतिक राजकाज कितना गोपनीय व अनिश्चिततापूर्ण है।

चिन गांग का स्थान उनके पूर्ववर्ती वेंग यी ने लिया है जो सन् 2013 से 2022 तक विदेश मंत्री रहे थे। वेंग यी सत्ताधारी पोलितब्यूरो के सदस्य हैं और उनके अनुभव और उनके खुलकर बात न करने की आदत के कारण यह माना जा रहा है कि उनमें चीनी कूटनीति को स्थायित्व प्रदान करने की क्षमता है।

बहरहाल चिन गांग के गायब हो जाने की अजीब घटना पर चर्चा होती रहेगी। विशेषकर इसलिए कि वे आखिरी बार 25 जून को देखे गए जबकि 18 जून को वे सात घंटे तक बैठकों और रात्रि भोज के दौरान चीन की यात्रा पर आए अमरीकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ थे। क्या इस दौरान ऐसा कुछ हुआ जो शी की योजना के मुताबिक नहीं था? या चिन गांग, शी की कूटनीतिक योजना से आगे बढ़कर कुछ कर रहे थे? या उनकी बढ़ती लोकप्रियता से शी को खतरा महसूस हो रहा था? या चिन गांग वास्तव में बहुत बीमार हैं? वाकई बहुत सारे सवाल हैं। हालांकि ध्यान रहे कि चिन गांग अभी भी स्टेट काउंसलर हैं। पार्टी की केन्द्रीय समिति के सदस्य हैं। हालांकि चीनी विधायिका द्वारा चिन गांग को हटाए जाने के पक्ष में मतदान करने के तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्रालय की वेबसाईट पर उनके मंत्री रहने के सारे निशानों को हटाना शुरू कर दिया है। पूरे मामले से खुद शी जिनपिंग की छवि को धक्का लगा है क्योंकि इससे न केवल यह पता लगता है कि उन्होंने इस पद के लिए गलत व्यक्ति को चुना बल्कि इससे शासन में अस्थिरता के हालातों के संकेत भी मिलते हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

25 दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण कराया गया उपलब्ध

राजनांदगांव। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित फिजिकल रिफरल रिहैबिलिटेंशन सेंटर माना कैम्प रायपुर में जिले के 25 दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय डोंगरगांव में विशाल जनस्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में फिजिकल रिफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर माना कैम्प रायपुर के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा 44 दिव्यांगजनों का कृत्रिम हाथ व पैर एवं कैलिपर्स के लिए माप लिया गया था, जिनमें से चिन्हांकित 25 दिव्यांजनों के लिए कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण तैयार कर निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदाय किया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर शिविर में पंजीयन कराने वाले दिव्यांगजनों का निरंतर फॉलोअप लिया गया और उन्हें निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए रायपुर भेजा गया। कलेक्टर ने अभियान चलाकर दिव्यांगजनों को चिन्हांकित करने के निर्देश दिए है, ताकि उन्हें ईलाज के साथ ही अन्य सुविधाएं मिल सके। गौरतलब है कि डोंगरगांव में आयोजित शिविर में दूर-दराज से बड़ी संख्या में आए जनसामान्य, दिव्यांगजन, बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। एक ही स्थान पर सभी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होने तथा विशेषज्ञों द्वारा उपचार एवं परामर्श के कारण राजनांदगांव एवं मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के लगभग 2907 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई थी।

कीटनाशी-उर्वरक केन्द्रों का किया जा रहा औचक निरीक्षण

रायपुर। कृषि विभाग के निरिक्षकों द्वारा 24 जुलाई 2023 से विभिन्न कृषि केन्द्रो का निरंतर औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखण्ड तिल्दा के मेसर्स केशरवानी कृषि सेवा केन्द्र, का निरिक्षण किया गया। वहां उर्वरक एवं कीटनाशी विक्रय संबंधी रिकार्डी का संचारित किया जाना नहीं पाया गया। साथ ही बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के उर्वरक एवं कीटनाशकों का विक्रय किया जा रहा था, जिस कारण दुकान को नोटिस दिया गया एवं सील भी किया गया। इसी प्रकार विकासखण्ड धरसींवा के मेसर्स वर्मा कृषि केन्द्र और विकाखण्ड आरंग के सिलयारी में स्थित मेसर्स छत्तीसगढ़ कृषि सेवा केन्द्र चन्दखुरी के विक्रय परिसर का निरीक्षण किया गया,जिसमें एक्सपायरी डेट की कीटनाशक दवायें पाये गए और रिकार्ड संधारण भी नहीं किया गया था। जिला स्तरीय कीटनाशी निरीक्षक दल द्वारा मेसर्स वर्मा कृषि केन्द्र चन्दखुरी विकासखंड आरंग में निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी डेट की कीटनाशक दवाई पाये जाने पर तथा मूल्य सूची, रिकार्ड संधारण नहीं पाये जाने पर उक्त परिसर को नोटिस जारी किया गया था।

छत्तीसगढ़ की जनता के भरोसे से ही सभी कार्य पूरे हुए : उपमुख्यमंत्री

प्रदेश सहित कबीरधाम जिले में भरोसे का विकास कार्य हुआ है: मोहम्मद अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री तथा कवर्धा जिले के प्रभारी मंत्री टी.एस. सिंहदेव और राज्य शासन के वन, परिवहन, आवास,पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर रणवीरपुर में आयोजित भरोसे का किसान सम्मेलन में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री सिहदेव प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार कबीरधाम जिले के ग्राम रणवीरपुर पहुँचे जहां नागरिकों ने गर्म जोशी के साथ बीरनमाला से स्वागत किया। भरोसे का किसान सम्मेलन कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर की गई।

सम्मेलन में पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू, क्रेडा सदस्य कन्हैया अग्रवाल, अर्जुन तिवारी उपस्थित थे। भरोसे के किसान सम्मेलन में कवर्धा, पंडरिया, साजा विधानसभा क्षेत्र के किसान, ग्रामीणजन हजारों की संख्या में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री सिहदेव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार नागरिकों के हित में कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ की जनता के भरोसे से ही सभी कार्य पूरे हुए है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर सभी वर्गों के लिए योजनाएं बनाकर लाभ पहुंचाया जा रहा है। सरकार बनने के पहले घोषणा पत्र में जो वायदा किया था उसे पूरा ईमानदारी के साथ किया है। उन्होंने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ का बजट 60 हजार करोड़ था जो आज बढ़कर 120 हजार करोड़ रुपया हो गया है। बजट का दुगुना होना मतलब जनता के लिए उतना कार्य करना है। आने वाले समय में इससे और अधिक विकास कार्य किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री सिहदेव ने कहा कि सरकार ने अपना वायदा को निभाते हुए धान की खरीदी 2500 रुपए में किया है। आने वाले समय में 2800 रुपए से अधिक मूल्य में धान की खरीदी की जाएगी। धान के समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 9000 रुपए प्रति एकड़ राजीव गांधी न्याय योजना के तहत दिया जा रहा है। पूरे देश में सर्वाधिक मूल्य में धान की खरीदी की जा रही है। वही गन्ना भी सर्वाधिक मूल्य में खरीदी किया जा रहा रहा है। तेंदूपत्ता का मुख्य 4000 प्रति मानक बोरा सर्वाधिक छत्तीसगढ़ राज्य में ही है। प्रदेश में सभी वर्गों के लिए राशन कार्ड बनाए गए है। इसके आधार पर छत्तीसगढ़ सरकार ने इलाज का हक दिया है। 60 लाख परिवार को 5 लाख रुपए खूबचंद बघेल योजना के अंतर्गत इलाज दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना के अंतर्गत 20 लाख से राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपए किया गया है।

केबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि प्रदेश सहित क्षेत्र में भरोसे का कार्य हुआ है, इस कारण भरोसे का किसान सम्मेलन आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के आने के बाद किसानों के खाते में सीधा पैसा डाला गया है। जिससे किसानों की स्थित मजबूत हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार देश की पहली सरकार है राज्य के भूमिहीन श्रमिको को 7 हजार रुपए देकर उसे आत्म संभल बनाया जा रहा है। हर परिवार का राशन कार्ड बनाया जा रहा है, चाहे वो गरीबी रेखा से नीचे हो या ऊपर हो। परिवार में सदस्य संख्या बढ़ने पर कार्ड को तोड़कर एक और नया कार्ड बना दिया जा रहा है। प्रदेश में 74 लाख से अधिक राशन कार्ड है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में 16 प्रकार की लघुवनोपाज की खरीदी समर्थन मूल्य में किया जा रहा लेकिन छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक 65 प्रकार के लघुवनोपज की खरीदी समर्थन मूल्य में की जा रही है। इसके लिए 9 पुरस्कार केंद्र से मिला है। इस दौरान उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी और सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया।

पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर ने कहा कि नई सरकार आने के बाद ऋण माफी, बिजली बिल हॉप योजना, समर्थन मूल्य में धान खरीदी किया है। जिससे किसान को उसके मेहनत का फल मिला है। किसानों की सुविधा के लिए जन आकांक्षाओं के मांग के अनुरूप नए धान खरीदी केंद्र खोला गया है। जिले में सड़क, महाविद्यालय, आत्मानंद स्कूल की घोषणा के बाद पूरा किया गया है। जिले में लगातार विकास हो रहा है। इस अवसर पर नीलकंठ चंद्रवंशी, लालजी चंद्रवंशी, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवा साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीमा अगम अनंत, जिला पंचायत सदस्य तुकाराम चंद्रवंशी, राजेश शुक्ला, ग्रामीण और किसान उपस्थित थे।

मंत्री मरकाम ने माकड़ी में 117 हितग्राहियों को वितरित किए वन अधिकार पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम ने माकड़ी में सौगातों की बरसात की। उन्होंने गुरुवार 27 जुलाई को आयोजित एक सभा में 117 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र, 30 हितग्राहियों को रागी और उड़द बीज मिनी कीट और एक हितग्राही को ट्राईसिकल वितरित किया। उन्होंने इस अवसर पर शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के साथ सामूहिक भोज भी किया।

मंत्री मरकाम ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसान और गरीबों के कल्याण के लिए योजनाएँ बनाकर उनका सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया। कोंडागांव जिला इन योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए सबसे अधिक वन अधिकार मान्यता पत्र वितरित करने वाला जिला है।

इसके साथ ही शासन द्वारा तेंदूपत्ता के लिए प्रति मानक बोरा का दर 2500 रुपए से बढ़ाकर 4000 रुपए किया गया। समर्थन मूल्य पर क्रय किए जाने वाले वनोपजों की संख्या 7 बढ़ाकर 65 की गई, जिसका लाभ वनों पर आश्रित आदिवासियों को मिला है। भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ ही सिरहा, गुनिया, पुजारी, आठ पहारिया बाजा मोहरिया को प्रति वर्ष 7 हजार रुपए मानदेय दिया जा रहा है। संस्कृति के संरक्षण के लिए देवगुड़ी और घोटूल निर्माण के लिए राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आश्रम और छात्रावासों में बच्चों को बेहतर से बेहतर सुविधा मिले इसके लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को नियमित तौर पर आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण के निर्देश भी दिए।

उन्होंने सुकमा में घटित घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस मामले में दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

आगामी विधानसभा 2023 के दृष्टिगत सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ाई से करें जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह ने आगामी विधानसभा 2023 के लिए सभी रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को तेज गति से तैयारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदाता सूची के प्रकाशन में किसी प्रकार की गलती नहीं होना चाहिए। मतदाता सूची को सर्वप्राथमिकता के साथ त्रुटिरहित प्रकाशन कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 2 अगस्त 2023 से मतदान केन्द्रों में अविहित अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा। मतदाता सूची का प्रकाशन कर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में पठन किया जाएगा और उसी दिन ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इसकी पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मॉनिटरिंग करने के लिए पटवारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अविहित अधिकारी और बीएलओ को प्रशिक्षण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय-समय पर राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित करने कहा।

उन्होंने सभी एसडीएम को पुलिस विभाग के साथ संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों का अवलोकन करने के निर्देश दिए। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में मतदाता जागरूकता के लिए प्रदर्शित ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन की जानकारी ली। उन्होंने मतदाताओं को ईव्हीएम, वीवीपैट और बैलेट पेपर की जानकारी देने कहा। उन्होंने जिला एवं तहसील स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ मोदी सरकार कर रही भेदभाव- कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा किसानों को गुमराह कर रही है। किसान प्रणाम योजना किसानों के साथ नया धोखा है। हकीकत यह है कि केंद्र की किसान विरोधी, उद्योगपति हितैषी मोदी सरकार किसानों के साथ लगातार छल कर रही है। न तो किसानों को वादे के मुताबिक लागत का दोगुना मूल्य मिल रहा। न ही केंद्र सरकार ने कृषि और किसान हित में कोई कदम उठाए।

उर्वरको की सब्सिडी खत्म करने जैविक खाद के प्रमोशन का षडयंत्र किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है क्योंकि यहां किसानों की सरकार है। किसानों ने भाजपा को ठुकराकर कांग्रेस को चुना है। मोदी सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों से राजनीतिक प्रतिशोध निकाल रही है। छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ किसान सम्मान निधि में भेदभाव किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के किसानों को रासायनिक खाद के लिए तरसाया जा रहा है। केंद्र सरकार यहां के किसानों की जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध नहीं करा रही। छत्तीसगढ़ का कोटा कम किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों की समृद्धि में बाधक बनी हुई है। मोदी सरकार नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को राहत देने के नाम पर जो ताजा ढोंग किया है, उसका छत्तीसगढ़ के अन्नदाता को कोई लाभ नहीं मिलने वाला। प्रदेश भाजपा छत्तीसगढ़ के किसानों को भ्रमित कर वाहवाही लूटने की व्यर्थ कोशिश कर रही है। छत्तीसगढ़ के किसान अच्छी तरह वाकिफ हैं कि 15 साल तक भाजपा की राज्य सरकार ने किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया है और 9 साल से भाजपा की मोदी सरकार भी यही कर रही है।

भाजपा किसानों को पूंजीपतियों का बंधुआ बनाने के लिए ही तीन काले कानून लेकर आई थी। कांग्रेस ने भाजपा की साजिश को बेनकाब किया और किसानों का साथ देकर उन काले कानूनों को वापस लेने मजबूर किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ भाजपा की मोदी सरकार अन्याय कर रही है। कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने किसानों के साथ न्याय किया। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के जरिये किसानों को 25 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का समर्थन मूल्य दिया। अन्य उपज और वनोपज का अधिक दाम दिया। वनोपज खरीदी का दायरा बढ़ाया ताकि किसानों और वनवासियों के जीवन में खुशहाली आये। भाजपा की केंद्र सरकार ने इसमें अड़ंगा लगाकर अपने असल चरित्र का प्रमाण दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने प्रधानमंत्री तक से झूठ कहलवाया कि केंद्र सरकार धान खरीदी करती है। जबकि किसान जानते हैं कि उनका पूरा धान भूपेश बघेल सरकार खरीद रही है। कांग्रेस ने किसान के साथ ही खेतिहर मजदूर को भी न्याय दिया और गौ माता की सुध लेकर गोधन योजना को धरती पर उतारा। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत है।

दिव्यांग बच्चों से मिलने ग्राम कोकड़ी पहुंचे कलेक्टर बच्चों से रूबरू बातचीत कर बढ़ाया उनका हौसला

गरियाबंद। ज़िले के युवा कलेक्टर अकाश छिकारा ग्राम कोकड़ी स्थित विधा निधि बहू दिव्यांग आवासीय स्कूल अचानक पहुँचे,और बच्चों से रुबरू बातचीत कर के उनका हाल चाल जाना और प्रत्येक बच्चों के बारे में संचालिका से जानकारी ली साथ ही बच्चों को दिये जाने वाली सुविधा के बारे में भी पूछताछ की और सभी बच्चों को कलेक्टर ने चाकलेट और बिस्किट भी बाटा।इस दौरान अपने बीच कलेक्टर को पाकर बच्चे बेहद उत्साहित दिखे बच्चों ने भी खुलकर अपने मन की बात कलेक्टर के सामने रखी इसमें से एक दिव्यांग बच्ची ने कलेक्टर का स्वागत करते हुए एक गीत भी प्रस्तुत किया।

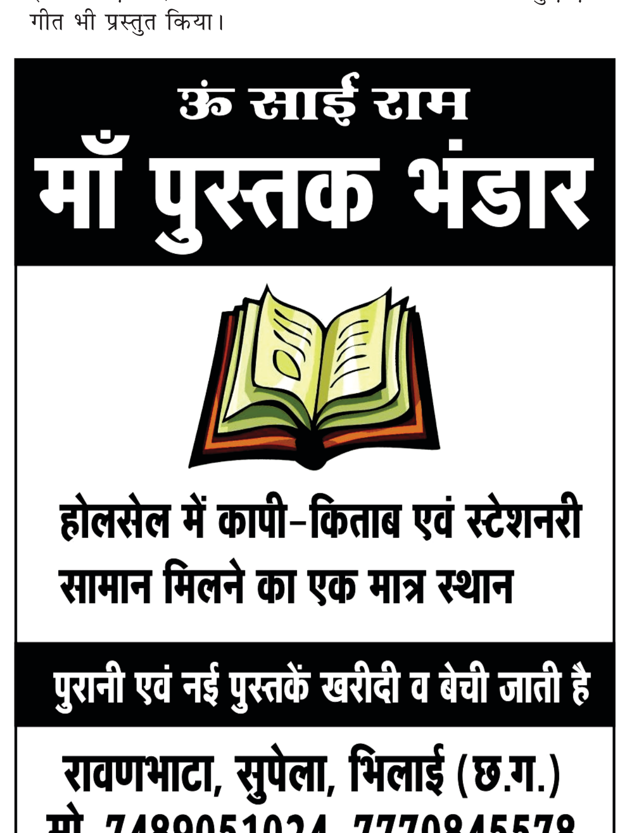

खास खबर...

राखी के जरिए दृष्टि-श्रवण बाधित छात्रों ने लोगों को मतदान के प्रति किया जागरूक

रायपुर (ए)। आगामी विधानसभा आम निवार्चन के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीप कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय और जिला अधिकारियों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्वीप कार्यक्रम के तहत लोगों को मतदान करने जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसी कड़ी में बिलासपुर जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय तिफरा में श्रवण बाधित दिव्यांग छात्र-छात्राओं के द्वारा मतदान की थीम पर आधारित सांकेतिक एवं आकर्षक राखी बनाकर लोगों को मतदान करने प्रेरित किया जा रहा है। बच्चों ने आकर्षक राखियों में स्लोगन में लिखा है कि मतदान एक ऐसी ताकत है, जिससे हम अपने देश को बदल सकते है। दृष्टि बाधित बच्चों ने स्लोगन में 'करे राष्ट्र का जो उत्थान, करें उसी को हम मतदान'। 'बनो देश के भाग्य विधाता, अब जागो प्यारे मतदाता'। छोड़कर अपने सारे काम, पहले करेंगे हम मतदान। 'जन-जन का यह नारा है, मतदान अधिकार हमारा है' और 'लोकतंत्र की सुनो पुकार, मत खोना अपना अधिकार जैसे नारों से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है। दृष्टि बाधित दिव्यांग छात्रों ने मतदान का महत्व विषय पर आधारित निबंध और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में भी भाग लिया। छात्रों ने निबंध में लिखा कि देश की उन्नति और खुशहाली के लिए सभी मतदाताओं को मतदान अवश्य करना चाहिए।

सड़कों पर पशुओं के कारण हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हो प्रभावी कार्यवाहीः मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य के सभी संभागायुक्त और कलेक्टरो को निर्देश दिए है कि सड़कों पर पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभिन्न प्रावधानों के तहत व्यापक कार्ययोजना बना कर प्रभावी कार्यवाही करें। इसके लिए उन्होंने संभागायुक्तों को अपने क्षेत्र के जिलों की लगातार मॉनिटरिंग करने कहा है। मुख्य सचिव ने सभी जिलों में ऐसी सड़कें चिन्हित करने जहां मवेशी सड़कों पर विचरण करते हैं, उसकी अद्यतन सूची तैयार करने कहा है। इस कार्य में पुलिस के अधिकारी भी सहयोग देगें। मुख्य सचिव ने संभागायुक्तों को कहा है कि वे इस संबंध में की गई कार्यवाही की नियमित जानकारी भेजे।

मुख्य सचिव ने सड़कों के आस-पास के गौठानों गौशालाओं और कांजी हाउस की जानकारी संधारित करने और जरूरत के अनुसार नये गौशाला प्रारंभ करने के निर्देश दिये है। सड़क में विचरण करते पशुओं को इन गौठानों गौशालाओं और कांजी हाउस में रखा जायेंगा। इन पशु सेल्टर्स में पशुओं की सुरक्षा, पर्याप्त चारा, पानी एवं चिकित्सा की सुविधा सुनिश्चित करनें के निर्देश दिये है। इसके साथ ही पशुपालकों पर जुर्माने की कार्यवाही भी की जायेगी।

गौरतलब है कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा सड़कों पर पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश के परिपालन में मुख्य सचिव अमिताभ जैन मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में डीजीपी अशोक जुनेजा और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू भी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पशुपालन विभाग, लोक निर्माण विभाग और नगरीय प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि अपने क्षेत्र के पशुपालकों को समझाईश दे कि सड़को पर अपने पशुओं को ना आने दें और उन्हें यह भी बताये की उनके पशु यदि सडक पर आते है तो जुर्माना वसूला जायेंगा। बैठक में नगरीय प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों नें सड़कों पर पशुओं को आने से रोकने के लिए अब तक किये गयें प्रयासों की जानकारी दी।

बैठक में मुख्य सचिव नें ग्रामीण विकास, लोक निर्माण और नगरीय प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए है की वर्तमान में बरसात के कारण जहा पर सड़के क्षतिगस्त हो रही है उन्हे तत्काल सुधारा जाये और सड़कों पर हुऐ गडढे को भरने का कार्य किया जायें। उन्होंने कहा है कि बरसात के समाप्त होने पर राज्य के विभिन्न स्थानों पर क्षतिगास्त सड़कों को सुधारनें के लिए अभी से कार्ययोजना तैयार कर ली जायें और इसके लिए जरूरी कार्यवाही कर ली जायें। मुख्य सचिव ने आजादी के अमृत महोत्सव के समापन के अवसर पर ''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों को व्यापक दिशा निर्देश दिए। इसी तरह से मुख्य सचिव ने कृषि विभाग के अधिकारियों और कलेक्टरों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों के लाभ दिलाने हेतु कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिये है।

वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित इस बैठक में कृषि एवं पशुपालन विकास विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, लोक निर्माण विभाग के सचिव भूवनेश यादव, संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी., ग्रामीण विकास विभाग के सचिव प्रसन्ना., खादय विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव एनएन एक्का और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव अयाज तम्बोली सहित सभी संभागायुक्त सभी कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन के अधिकारी, नगरीय निकायों के अधिकारी सहित कृषि, पशुपालन, नगरीय प्रशासन, लोक निर्माण विभाग अन्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

संतुलित आहार से निरोगी रहने की कला सीख रहे योग साधक

छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नि:शुल्क आवासीय योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा फुण्डहर रायपुर में सात दिवसीय संभाग स्तरीय नि:शुल्क आवासीय योग प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। दुर्ग संभाग के लिए आयोजित इस शिविर के चौथे दिन बुधवार को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक क्रियाओं, रोगों और संतुलित आहार के माध्यम से निरोगी रहने के बारे में बताया गया। शिविर का आयोजन 23 जुलाई से किया जा रहा है। इसमें 215 योगसाधक भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा और सचिव एम. एल. पाण्डेय भी उपस्थित थे।

योग सत्र की शुरूआत सुबह 6 बजे सीएल सोनवानी और ज्योति साहू द्वारा प्रतिभागियों को योगाभ्यास क्रिया कराने से हुई। इसके बाद डॉ. राधिका चंद्राकर ने प्रत्याहार धारणा और डॉ. मंजू सिंह ठाकुर ने चयापचय और श्वसन सम्बन्धी विकारों के रोकथाम में योग विषय पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. विवेक भारतीय ने यौगिक आहार के बारे में बताया। ज्योति साहू ने गर्भवती महिलाओं के लिए चलाई जा रही विशेष योगाभ्यास योजना के बारे में जानकारी प्रदान की। लच्छू राम निषाद ने भारत में योग का इतिहास समझाया। इस अवसर पर योग आयोग के अधिकारी-कर्मचारी और योग प्रशिक्षकगण उपस्थित थे।

स्थानीय वैद्यों की पहचान कर औषधीय जड़ी-बूटियों को संरक्षित करने की दिशा में करें कामः डॉ नंद कुमार साय

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष ने वनौषधि पार्क बनाने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के अध्यक्ष डॉ. नंद कुमार साय ने बुधवार को गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। बैठक में डॉ. साय ने कहा कि प्रदेश के स्थानीय वैद्यों की पहचान कर औषधीय जड़ी-बूटियों को संरक्षित करने के लिए कार्य योजना तैयार किया जाए। उन्होंने औद्योगिक विकास के तहत छत्तीसगढ़ औषधीय पादप बोर्ड से समन्वय कर वनौषधि पार्क बनाने पर भी जोर दिया। बैठक में मरवाही विधायक डॉ. केके ध्रुव, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य अर्चना पोर्ते, कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया, वन मंडलाधिकारी सत्यदेव शर्मा, एसडीएम पेंड्रारोड पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष डॉ. साय ने कहा कि गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला वन और आदिवासी बाहुल्य जिला है, यहां वनौषधि जड़ी-बूटियों की कमी नहीं है। उन्होने औद्योगिक विकास के तहत वनौषधि पार्क भी प्रस्तावित करने कहा। डॉ साय ने औषधीय जड़ी-बूटियों के गुणों के बारे में अपने स्वयं के अनुभव भी साझा किए। उन्होने हड्डी जोड़, जहरीले सांप, बिच्छु का विष उतारने, पीलिया खत्म करने आदि के बारे में बताते हुए कहा कि जड़ी बूटियों के जानकार वैद्यों कि पहचान करें और वनौषधि पार्क बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि अश्वगंधा, गिलोय आदि वनौषधियों का प्रभाव काफी कारगर है। वनौषधियों के उपयोग से किसी तरह का दुष्प्रभाव भी नहीं होता है।

बैठक में कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया ने बताया कि जिले में लेमन ग्रास की खेती के साथ ही औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए मरवाही विकासखंड के ग्राम पथर्रा, सेखवा एवं मड़ई के 10 महिला स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया है। औषधीय पौधों की खेती के लिए केंवची क्षेत्र में भी कार्य योजना प्रस्तावित है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पहले जिले में 31 अक्टूबर 2000 तक 749 सूक्ष्म, लघु उद्योग पंजीकृत थे, जिसमें 94.82 लाख का निवेश एवं 1508 व्यक्ति रोजगार में नियोजित थे। राज्य गठन 1 नंवबर 2000 से 31 मार्च 2020 तक 380 पंजीकृत सूक्ष्म, लघु उद्योग जिसमें निवेश राशि 36 करोड़ 66 लाख 69 हजार और 1833 लोग उद्योगों में नियोजित है। 1 अप्रैल 2020 से 28 अप्रैल 2023 तक 21 उद्योग उत्पादन प्रमाण पत्र प्राप्त हैं, जिसमें 18 करोड़ 39 लाख 20 हजार पूंजी निवेश एवं 196 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। इन पंजीकृत उद्योगों में मुख्यतः हॉलर एण्ड फ्लोर मिल, राईस मिल, फेब्रीकेशन, ईंट निर्माण, बर्तन निर्माण, ऑयल एण्ड फ्लोर मिल, फ्लाई एश ब्रिक्स, एल्युमिनियम प्रोडक्ट, आरसीसी पोल, हर्बल प्रोडक्ट, फिनाइल आदि इकाईयां संचालित है। इसके साथ ही नई औद्योगिक नीति 2019-2024 के तहत जिले में 301 प्रस्तावित नये इकाईयों ने उद्यम आकांक्षा प्राप्त किया है, जिसमें 85 करोड़ 94 लाख 62 हजार रुपए का पूंजी निवेश एवं 1234 लोगों के लिए रोजगार प्रस्तावित है।

कलेक्टर ने युवा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने क्रिएटर्स के साथ की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 एवं लोकसभा चुनाव 2023-24 में युवाओं व नवीन मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने रायपुर जिले के युवा क्रिएटर्स के साथ बैठक की। जिसमें युवाओं और नए मतदाताओं को जागरूक करने में क्रिएटर्स व इंन्फ्लुएंसर्स की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।

कलेक्टर डॉ भुरे ने युवा क्रिएटर्स को लोकतंत्र में उनकी सहभागिता तथा शत् प्रतिशत मतदान करने हेतु लोगों को जागरूक करने को कहा। उन्होंने बताया कि यदि आपका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है तो वोटर हेल्प लाईन एप की सहायता से स्वयं फॉर्म 06 भर कर अपना नाम जोड़ सकते है। साथ ही अपने परिवार एवं दूसरें सदस्यों का जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है और जिनकी आयु 17 वर्ष से अधिक है उनके लिये भी फॉर्म 06 भरने में सहायता कर सकते हैं। इसी प्रकार नाम, लिंग, पता आदि त्रुटियों का संशोधन और दिव्यांगजनों, वरिष्ठ 80 आयु वर्ष से अधिक मतदाताओं को मतदान के दिन आवश्यक सहायता हेतु फॉर्म 08 में जोड़कर भर सकते हैं।

कलेक्टर ने सभी क्रिएटर्स को आगामी चुनाव में मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने की बात कही। सभी क्रिएटर्स ने इस पहल पर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और जिला प्रशासन की इस पहल के लिए आभार भी जताया।

सड़क दुर्घटनाओं से बचाने आवारा पशुओं को लगाए जा रहे टैग और रेडियम बेल्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कटौती करने आवारा पशुओं को रेडियम बेल्ट लगाये जा रहे हैं। रेडियम बेल्ट की वजह से पशु दूर से नजर आ जाते हैं और इससे गंभीर हादसों को टाला जा सकता है। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने जिले में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए आवारा पशुओं में रेडियम के पट्टे और टैग लगाने के निर्देश दिए थे। जिले के पशुधन विकास की टीम द्वारा 250 आवारा पशुओं में रेडियम बेल्ट लगाए गए है। इसमें रायपुर-जगदलपुर, रायपुर-महासमुंद नेशनल हाईवे और रायपुर-बलौदाबाजार स्टेट हाईवे, पुराना धमतरी रोड़ सेजबहार, रिंग रोड नं.-02, गोंदवारा, टाटीबंध, गुढ़ियारी इत्यादि शामिल हैं।

रेडियम बेल्ट अंधेरे में लाइट पड़ने पर दूर से ही चमकता है। पशुओं में इसे लगाने से वाहन चालक दूर से जानवरों को देख पाते हैं और अपने वाहनों को जानवरों का बचा सकते है, जिससे रात में होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। पशुधन विकास विभाग की टीम द्वारा पशुओं की टैगिंग का कार्य भी किया जा रहा है। पशुओं की पहचान के लिए उनके कान पर एक पीले रंग का टैग लगाया जाता है। टैग में 12 अंक होते है जो पशुओं के पहचान पत्र की तरह काम करता है। टैग पर अंकित नंबर के माध्यम से पशुओं की नस्ल, स्वास्थ्य आदि की जानकारी सॉफ्टवेयर में डाली जाती है। जिससे पशुओं की पहचान और उन से संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध हो पाती है।

संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ शंकर लाल उईके ने बताया कि बारिश में पानी और कीचड़ के कारण मवेशी रोड पर बैठ जाते हैं ऐसे में अक्सर वाहन चालकों और मवेशियों के एक्सीडेंट की आशंका बनी रहती है। इसे कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य सड़कों में रेडियम बेल्ट लगाया जा रहा है। जल्द ही शहर के भीतर अन्य सड़कों में आवारा पशुओं को बेल्ट लगाया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

8 घंटे से ज्यादा सोना सेहत के लिए बन सकता है आफत

हो सकती है ये गंभीर समस्या

स्वस्थ जीवन जीने के लिए पर्याप्त और क्वालिटी स्लीप लेना जरूरी है। अक्सर विशेषज्ञ 7 से 8 घंटे की नींद लेने की सलाह देते हैं। इससे कम सोने पर आपको कई तरह की बीमारी हो सकती है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि ज्यादा देर सोने से भी आपके शरीर को कई सारे नुकसान हो सकते हैं। जी हां अगर आप भी 8 घंटे से ज्यादा सोते हैं तो आपको इससे सेहत को होने वाले नुकसान को समझ लेना चाहिए।

ज्यादा सोने पर होने वाले नुकसान

- जरूरत से ज्यादा सोने से व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। पीएलओएस के रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। जब आप ज्यादा सोते हैं तो इससे सुस्ती बनी रहती है काम में मन नहीं लगता। एकाग्रता में कमी आती है और ऐसे आप डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं।
- जरूरत से ज्यादा नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी रिपोर्ट की माने तो जो लोग 9 से 11 घंटे की नींद लेते हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 30 से 38 फसदी तक बढ़ जाती है।
- ज्यादा देर सोने से आप फिजिकल इन एक्टिव हो जाते हैं। इस वजह से आप वेट गेन कर सकते हैं। आपको मोटापा के साथ पाचन संबंधित समस्याएं भी हो सकती है। एक स्टडी के मुताबिक जो लोग हर रात 9 या 10 घंटे सोते थे, उन्हें 8 घंटे की नींद लेने वालों की तुलना में 6 साल की अवधि में मोटे होने की संभावना 21 फीसदी तक अधिक होती है।
- कुछ लोग छुट्टियों में लंबे वक्त तक सो जाते हैं। उन्हें सिर दर्द की समस्या हो सकती है। जब आप ज्यादा देर तक सोते हैं तो सेरोटोनिन काफी अधिक स्राव हो जाता है। ऐसे में मस्तिष्क में कुछ न्यूरोट्रांसमीटर पर इसका प्रभाव पड़ने लगता है।
- लंबे वक्त तक सोने से आपको पीठ दर्द की समस्या या शरीर में दर्द की समस्या हो सकती है। क्योंकि जब आप फिजिकल इन एक्टिव होते हैं तो आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही नहीं होता है। इस वजह से पीठ दर्द या बदन दर्द की परेशानी हो सकती है। सही ब्लड सर्कुलेशन के लिए एक्सरसाइज करना काफी जरूरी है।

जैकलीन फर्नांडिस ने स्टाइलिश चोटी में ढाया कहर

बॉलीवुड एंडस्ट्री की खूबसूरत हसीनाओं में से एक जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने हाल में सोशल मीडिया साइट फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शेयर की अपनी लेटेस्ट फोटोज से बवाल मचा दिया है। उनके इस फोटोशूट को देख फैंस ने उनकी तारीफों की झड़ी लगा दी है।

37 वर्षीय बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है और अपनी फोटोज से आए दिन बिजलियां गिराती रहती हैं। जैकलीन फर्नांडिस की हर एक अदा का हर कोई दीवाना हैं और सोशल मीडिया पर उनके फैंस की लिस्ट भी काफी लंबी हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी खूबसूरती से सभी को कायल किया हुआ है और एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपना जलवा दिखाया हैं। हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया साइट फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज से जैकलीन फर्नांडिस ने लोग का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है और फैंस भी एक्ट्रेस की तस्वीरें देखकर उनकी तरफ अट्रैक्ट हो रहे हैं। इन तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडिस रेड कलर की कार्गो पैंट्स और ग्रे कलर की ब्रालेट में बेहद किलर अंदाज में बिजलियां गिराती नजर आ रही हैं। जैकलीन के इस ट्रेंडी लुक में उनकी हर एक अदा कमाल की है, जिन पर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं। इन फोटोज में जैकलीन फर्नांडिस अपनी स्टाइलिश दो चोटियों के साथ पतली कमर और कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। स्मोकी न्यूड़ मेकअप के साथ जैकलीन फर्नांडिस ने अपने लुक को किलर एटीट्यूड के साथ कंप्लीट किया है। जैकलीन फर्नांडिस का ये किलर अंदाज उनके फैंस को बेहद कूल लगा रहा है।

चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर 11 अगस्त को होगी रिलीज

गॉडफादर और वाल्टेयर वीरय्या जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद अब मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।इसमें कीर्ति सुरेश और तमन्ना भाटिया भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब निर्माताओं ने गुरुवार को भोला शंकर का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें चिरंजीवी ताबड़तोड़ एक्शन करते नजर आ रहे हैं। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, ऐसे में निर्माता इसे कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर 11 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इसका निर्देशन मेहर रमेश द्वारा किया जाएगा, जबकि रामब्रह्मम सुनकारा फिल्म भोला शंकर के निर्माता हैं। सुशांत, रघु बाबू, मुरली शर्मा, रविशंकर, वेनेला किशोर, तुलसी, मुखी, बिथिरी साथी, सत्या, गेटअप श्रीनु, रश्मी गौतम और उत्तेज भी फिल्म की हिस्सा हैं। भोला शंकर तमिल फिल्म वेधालम की आधिकारिक रीमेक है, जिसमें अजीत कुमार ने अभिनय किया था।

मंत्रमुग्ध होने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि चिरंजीवी भोला शंकर में सर्वोच्च भूमिका निभा रहे हैं, यह एक सिनेमाई चमत्कार है जो एक अविस्मरणीय अनुभव का वादा करता है। विस्मयकारी प्रदर्शन में मेगास्टार के बेजोड़ करिश्मे को देखने के लिए तैयार हो जाइए, जिसे देखकर आपकी सांसें थम जाएंगी। मंच तैयार है, उलटी गिनती शुरू हो गई है और प्रत्याशा बढ़ रही है। अपने आप को एक ऐसी सिनेमाई यात्रा के लिए तैयार करें जो मनोरंजन की सीमाओं को फिर से परिभाषित करेगी और एक चिरस्थायी सुपरस्टार के रूप में चिरंजीवी की विरासत को मजबूत करेगी।

सिर्फ 1 महीने के लिए छोड़कर देख लें नॉन-वेज फायदे देख दोबारा कभी हाथ नहीं लगाएंगे

कुछ लोग शुद्ध शाकाहारी होते हैं और कुछ को मीट-मांस, चिकन-मटन खाने से प्यार होता है। नॉन वेजिटेरियन को इन फूड्स को छोड़ना काफी मुश्किल होता है। हालांकि, सिर्फ एक महीने के लिए नॉन-वेज छोड़कर आप कई तरह के बेनिफिट्स पा सकते हैं। इस दौरान आपकी बॉडी में जिस तरह के बदलाव आएंगे, उन्हें देखकर यकीन मानिए आप कभी भी नॉन-वेज को हाथ तक नहीं लगाएंगे। नॉन-वेज बंद करने से दिल की सेहत दुरुस्त होती है, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कुछ तरह के कैंसर का खतरा भी कम होता है। आइए जानते हैं 1 महीने अगर नॉन-वेड फूड्स छोड़ दिया जाए तो शरीर में क्या-क्या बदलाव आएंगे...

तेजी से कम होगा वजन

प्लांट बेस्ड फूड्स खाने से वजन कम होता है। नॉन वेज की तुलना में इनमें कम कैलोरी और हाई फाइबर पाया जाता है। इससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन पर कंट्रोल रहता है।

कब्ज की छुट्टी

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप सिर्फ एक महीने ही नॉनवेज छोड़कर प्लांट-बेस्ड फूड्स का सेवन शुरू कर दें तो सेहत को कई फायदे होंगे। चूंकि वेजीटेरियन फूड्स में जबरदस्त फाइबर पाए जाते हैं। ये पाचन को बेहतर बनाकर कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाने का काम करते हैं। इससे बाउल मूवमेंट भी बना रहता है और डाइजेस्टिव सिस्टम दुरुस्त रहता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कंट्रोल

एनिमल बेस्ड फूड्स में सैचुरेटेड और ट्रांस फैट ज्यादा पाया जाता है। जो हाई कोलेस्ट्रॉल का कारण बन जाते हैं। अगर सिर्फ एक महीने के लिए ही इन्हें छोड़ दिया जाए तो कोलेस्ट्रॉल लेवल काफी हद तक कंट्रोल में आ जाता है। प्लांट-बेस्ड फूड्स ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को सुधारता है।

इंफ्लेशन की समस्या से छुटकारा

मांस-मछली, प्रोसेस्ड मीट खाने से शरीर में सूजन बढ़ सकती है। ऐसे में इनसे दूरी बनाकर इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। ये कई तरह के क्रोनिक बीमारियों से भी संबंधित होता है।

एनर्जी बढ़ेगी जबरदस्त

प्लांट-बेस्ड फूड्स से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। शरीर में विटामिन, मिनरल्स, कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। ये शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाकर आलस और सुस्ती को दूर करते हैं। मांसाहारी फूड्स में ऐसा नहीं होता है। इन्हें खाने के बाद आलस, सुस्ती आती है।

श्रीलीला ने अल्लू अर्जुन के साथ विशेष गाने का ठुकराया प्रस्ताव!

अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित सीक्वल पुष्पा-2 अपने पूर्ववर्ती की भारी सफलता के बाद भारत में धूम मचा रही है। शूटिंग तेजी से आगे बढ़ने के साथ ही यह फिल्म एक खास पहलू की वजह से चर्चा में बनी हुई है।

निर्देशक सुकुमार अपनी फिल्मों में ठोस आइटम नंबर शामिल करने के लिए जाने जाते हैं, और पुष्पा भी अपवाद नहीं थी, सामंथा के आकर्षक प्रदर्शन ने पैन-इंडिया की प्रसिद्धि हासिल की। अब, सारा ध्यान उस हीरोइन की तलाश पर है जो सीक्वल में विशेष गीत की शोभा बढ़ायेगी।

फिल्मी हलकों में अफवाहें बताती हैं कि निर्माताओं ने विशेष गीत के लिए प्रतिभाशाली और उभरते सितारे, श्रीलीला से संपर्क किया। हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से, उसने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। कथित तौर पर, एकल नायिका के रूप में सात फिल्मों के साथ, श्रीलीला एक विशेष गीत के अवसर को लेने के बजाय अपने आशाजनक करियर पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हैं, भले ही वह अल्लू अर्जुन के साथ ही क्यों न हो। सवाल यह है कि पुष्पा 2 में करिश्माई अल्लू अर्जुन के साथ नृत्य करने का भाग्यशाली मौका कौन लेगा?

शनाया कपूर चलीं साउथ, पैन इंडिया फिल्म से शानदार शुरुआत

अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने भले ही अभी अभिनय की दुनिया में कदम नहीं रखा है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग अच्छी-खासी है। शनाया को करण जौहर फिल्म बेधड़क से बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले थे, लेकिन इस फिल्म का फिलहाल कोई अता-पता नहीं है। अब खबर कि उन्हें मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की पैन इंडिया फिल्म वृषभ में काम करने का मौका मिल गया है। एकता कपूर इस फिल्म के प्रोडक्शन से जुड़ी हुई हैं। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह कहानी एक पिता और बेटे के रिश्ते को लेकर है और इसमें शनाया की दमदार भूमिका है। यह एक पीरियड फिल्म है। इसकी कहानी वर्तमान और अतीत के इर्द-गिर्द घूमती दिखेगी। फिल्म में शनाया की भूमिका भले ही ग्लैमरस है, लेकिन उन्हें अपना अभिनय कौशल दिखाने का पूरा मौका मिलेगा। फिल्म में शनाया का किरदार अतीत और वर्तमान को आपस में जोड़ेगा। लिहाजा उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। एकता ने भी इस फिल्म के जरिए पैन इंडिया सिनेमा में आगाज किया है। पिछले दिनों उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस फिल्म का ऐलान किया था।

दिन भर आती है उबासी तो ये थकान नहीं, इन बीमारियों का है संकेत!

उबासी लेना थके हुए शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया है। जब हम थक जाते हैं या फिर किसी चीज से ऊब होने लगती है तो हम उबासी लेने लगते हैं। आमतौर पर लोग जब थक जाते हैं तो उनके हार्मोन्स शरीर को अलर्ट करने के लिए उबासी को ट्रिगर करते हैं। ये एक सामान्य मेडिकल प्रोसेस है लेकिन अगर आपको बार बार उबासी आ रही है तो इसे नॉर्मल कहना गलत हो सकता है। दरअसल बार बार उबासी लेना या फिर दिन भर उबासी आना कई हेल्थ प्रॉबलम्स की तरह संकेत देता है। चलिए आज जानते हैं कि अगर आपको बार बार उबासी आ रही है तो ये किस तरह से शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है।

पांच मिनट में तीन से ज्यादा उबासी है असामान्य

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर कोई दिन में तीन चार बार उबासी लेता है तो वो सामान्य हो सकता है लेकिन अगर आपको पांच मिनट में तीन से ज्यादा बार उबासी आ रही है तो ये असामान्य प्रोसेस है। इसके पीछे का पहला संकेत ये है कि आपके शरीर को भरपूर नींद की जरूरत है जो पूरी नहीं हो रही है। ये स्लीप एपनिया का संकेत हो सकता है। कई बार कामकाज के प्रेशर, इन्सोम्निया, खर्राटे या थकान के चलते लोग पूरी और बेहतर नींद नहीं ले पाते और उनको स्लीपिंग डिसऑर्डर हो जाता है। ऐसे में बार बार उबासी आती है।

ज्यादा दवाई खाने से भी आ सकती है उबासी

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप लंबे समय से कुछ दवाइयों का सेवन कर रहे हैं तो इसकी वजह से भी आपको लगातार उबासी आ सकती हैं। दरअसल ऐसी दवाओं में एंटीसाइकोटिक्स या एंटीडिप्रेसेंट के गुण होते हैं जिनकी वजह उबासी ज्यादा आती है। कई बार ब्रेन के डिसऑर्डर के चलते भी बार बार उबासी आती हैं। दिमाग संबंधी बीमारियों जैसे पर्किंसंस, माइग्रेन, मल्टीपल स्केलेरोसिस के चलते भी व्यक्ति को बार बार उबासी आती है। अगर किसी को एंजाइटी या स्ट्रेस की दिक्कत है तो भी बार बार उबासी आती है।

ऑक्सीजन की कमी के चलते भी आती है उबासी

बार बार उबासी आना आपके दिल के खतरे में होने का संकेत हो सकता है। दरअसल जब शरीर को ऑक्सीजन की कमी होती है तो बार बार उबासी आती है। ऑक्सीजन की कमी के चलते दिल के दौरे का सबसे ज्यादा खतरा होता है। हालांकि ज्यादा उबासी आना दिल के दौरे का डायरेक्ट संकेत नहीं है लेकिन ये शरीर को ऑक्सीजन की कम सप्लाई का संकेत दे सकती है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बैन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

टीकाकरण कराएं तथा अपने बच्चों का होने वाली बीमारियों से बचाएं

कोरबा। कलेक्टर संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वा अधिकारी डॉ. एस. एन केशरी के नेतृत्व में जिले में मिशन इन्द्रधनुष अभियान 50 आयोजित किया जाएगा। भारत शासन के निर्देशानुसार नियमित टीकाकरण का बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान 5.0 चलाया जा रहा है। अभियान में जिले के टीकाकरण कवरेज वाले शहरी क्षेत्रों एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों पर अपेक्षाकृत ध्यान देने हेतु तथा टीकाकरण से वंचित एवं छूटे हुए 0 से 5 वर्ष के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकृत किया जाएगा। मिशन इन्द्र धनुष अभियान जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा शहरी तथा समस्त टीककरण केन्द्रों में आयोजित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी ने बताया कि सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान 2023 तीन चरणों में आयोजित होगा। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण 07 से 12 अगस्त 2023, द्वितीय चरण 11 से 16 सितंबर 2023 तथा तृतीय चरण 09 से 11 अक्टूबर 2023 तक होगा। इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण कार्यक्रम के सुदृढ़िकरण एवं मीजल्स और रूबेला वैक्सीन की डोज से छूटे हुए बच्चों को टीकाकृत किए जाने हेतु 0 से 5 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं, लेफ्ट आउट ड्राप आउट बच्चों को चिन्हित कर टीकाकृत किया जाएगा। इस हेतु शहरी एवं ग्रामीण स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कलेक्टर संजीव कुमार झा तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने जिले के जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में टीकाकरण से छूटे बच्चों को टीकाकरण कराने हेतु जागरूक करने तथा आवश्यक सहयोग प्रदान करने कहा है।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में सेवानिवृत सैनिकों को किया सम्मानित

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा कृषि महाविद्यालय रायपुर के संगोष्ठी कक्ष में ''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम के अंतर्गत कारगिल युद्ध के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर वीरों का वंदन किया गया। इस कार्यक्रम में आठ सेवानिवृत सैनिको, सूबेदार और कोमोडर उपस्थित हुए जिनका अभिनंदन कर उन्हें सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम मेरी माटी मेरा देश राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. राजकुमार वर्मा, राज्य एन.एस.एस. अधिकारी एवं पदेन उप सचिव डॉ नीता वाजपेई, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. जी.के. दास की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक सेवा के साथ-साथ राष्ट्र प्रेम और समर्पण, सेवा भावना जागृत करना है। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा वृक्षा रोपण भी किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. पी.के. सांगोडे, कार्यक्रम समन्वयक द्वारा स्वागत भाषण दिया गया और पंच प्रण की शपथ भी उपस्थित जन समुदाय को दिलाई गई। इसके पश्चात सभी फौजियों द्वारा प्रेरणादायक उद्बोधन दिए गए। इस वृहद आयोजन में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. गजपाल तथा उनके 30 कार्यक्रम अधिकारी एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के समस्त कार्यक्रम अधिकारी तथा बड़ी संख्या मे स्वयंसेवक उपस्थित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक एवं राज्य के समन्वयक एवं कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से साकार हो रहा समर्थ भारत का सपना: सौरभ सिंह

- सीबीसी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर केंद्रित प्रदर्शनी का किया अवलोकन
- केंद्र सरकार की विविध योजनाओं के लाभार्थियों को शॉल-श्रीफल से किया सम्मानित

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय संचार ब्यूरो प्रादेशिक कार्यालय (सीबीसी) रायपुर द्वारा अकलतरा के आरके सिंह स्कूल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण विषयक त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के दूसरे दिन रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के दूसरे दिन अकलतरा विधायक सौरभ सिंह की उपस्थिति रही।

उन्होंने केंद्र सरकार की विविध योजनाओं के लाभार्थियों को शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। विधायक ने जागरूकता प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने प्रदर्शनी के लिए सीबीसी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को काफी सुगम तरीके से समझाया गया है। इससे अकलतरा क्षेत्र के लोग केंद्र की योजनाओं को बेहतर समझ पाएंगे व लाभांवित होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए लाई गई विविध योजनाओं का अवलोकन भी किया। अकलतरा क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विविध योजनाओं को विशेष तौर पर उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रदर्शनी में लगाई गई योजनाओं से जोड़ कर भारतमाला प्रोजेक्ट, पावरग्रिड कॉरपोरेशन, अमृत स्टेशन के तहत अकलतरा रेलवे स्टेशन का उन्नयन आदि योजनाओं का उल्लेख किया।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता व सुनियोजित नीतियों के कारण लोगों को सुशासन की अनुभूति हो रही है। उन्होंने चंद्रयान, सर्जिकल स्ट्राईक, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्प्रयासों से समर्थ भारत का सपना साकार हो रहा है। देश के हर तबके को इसका अहसास हो रहा है। इससे पहले सीबीसी रायपुर के कार्यालय प्रमुख शैलेष फाये ने उनका स्वागत किया व प्रदर्शनी के उद्देश्यों की जानकारी दी।

मॉडल से समझा रहे पीएम आवास का लाभ

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर केंद्रित मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी स्थल पर नगरपालिका अकलतरा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ लेने के विभिन्न चरणों को मॉडल के जरिए समझाया जा रहा है। मौके पर लाभ लेने के इच्छुक लोगों को हर प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। सीएलटीसी आकाश अग्रवाल द्वारा लोगों को जानकारी दी जा रही है।

पेंटिंग में 153, रंगोली में 67 ने लिया भाग

प्रदर्शनी के दूसरे दिन 'स्वच्छ भारत-समृद्ध भारत' विषय पर चित्रकला व भारत का अंतरिक्ष अभियान, सही पोषण-देश रोशन, कोविड टीकाकरण अभियान पर केंद्रित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोनों ही प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भारी उत्साह से हिस्सा लिया। पेंटिंग में अकलतरा के 9 विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 153 व रंगोली में 5 संस्थानों के 67 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

स्व सहायता समूहों ने लगाई प्रदर्शनी

कार्यक्रम स्थल पर सत्या महिला स्व सहायता समूह, सुरक्षा स्व सहायता समूह व आदर्श समूह ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए हैं। हस्तशिल्प के तहत धान व पैरा आर्टिस्ट नंदनी बघेल ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई है।

लाभार्थियों को किया सम्मानित

इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी सरस्वती साहू, द्वारिका प्रसाद कैवर्त, सीताराम श्रीवास, फेकन दाउ कैवर्त, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी अखिल, रामभरोसे, गुड्डु लाल, शीतल प्रसाद, ईतवारी, लक्ष्मी प्रसाद, स्ट्रीट वेंडर योजना की लाभार्थी मिलाप बाई, उज्वला योजना की लाभार्थी राधिका भारद्वाज, जीमत खरे को शॉल-श्रीफल देकर विधायक सौरभ सिंह के द्वारा सम्मानित किया गया। लाभार्थियों ने योजना से मिले लाभ पर अपने विचार प्रकट किए व प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

समापन आज, बांटे जाएंगे पुरस्कार

त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का समापन शुक्रवार को होगा। इस अवसर पर रंगोली, पेंटिंग, निबंध, प्रश्नमंच व भाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र अकलतरा विधायक सौरभ सिंह द्वारा प्रदान किया जाएगा। समापन के दिन सेवा भाव से संभव है सुशासन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा। वहीं स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी देशभक्ति गीत-गायन पर अपनी प्रस्तुति देंगे।

आयुष्मान कार्ड पंजीयन के मामले में गरियाबंद जिला प्रदेश में पहले स्थान पर

श्रीकंचपनथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिले में विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया।जिसमें प्रदेश में गरियाबंद जिला एक दिन में आयुष्मान कार्ड पंजीयन के मामले में एक बार फिर से पहला स्थान हासिल किया है। ज्ञात हो कि 7 जुलाई को आयोजित विशेष ग्रामसभा के माध्यम से आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं राशन कार्ड ई-केवाईसी के कार्य किया गया था,जिसमें भी गरियाबंद जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा।

विशेष ग्राम सभा के माध्यम से जिले के सभी गांवों में विभिन्न शिविरों के माध्यम से आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं राशन कार्ड ई-केवाईसी के कार्य किये गये। जिसके तहत गुरुवार को एक ही दिन में 20 हजार 875 लोगों के आयुष्मान कार्ड का पंजीयन किया गया। साथ ही 4 लाख 65 हजार 305 राशन कार्डो के ई-केवाईसी के कार्य भी पूर्ण किये गये। इस महाअभियान के तहत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम पंचायत, च्वाईस सेंटर एवं सामुदायिक भवनों में भी शिविर लगाये गये। साथ ही विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई थी। कलेक्टर आकाश छिकारा एवं जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने अधिकारियों को शिविर स्थलों का निरंतर निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी लेने के निर्देश भी दिये थे। शिविर के माध्यम से कम समय में लोगों को सेवाओं से लाभान्वित किया गया।इसके तहत आयुष्मान कार्ड बनने से लोगों को नि:शुल्क ईलाज में मदद मिलेगी। इसी प्रकार फिंगेश्वर अनुविभाग में 4578, छुरा में 4272, गरियाबंद में 3182 और देवभोग अंतर्गत 3131 आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया गया। इसी प्रकार राशन कार्ड के ई-केवाईसी में सर्वाधिक फिंगेश्वर विकासखण्ड में 1 लाख 39 हजार 940 राशनकार्डों का ई-केवाईसी किया गया। इसी प्रकार मैनपुर विकासखण्ड में 94008,छुरा में 85630,गरियाबंद में 73520 और देवभोग विकासखण्ड में 72207 राशनकार्डो का ई-केवाईसी किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में विगत 7 जुलाई को विशेष ग्रामसभा के माध्यम से आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं राशन कार्ड ई-केवाईसी के कार्य किया गया था। जिसमें एक ही दिन में 6 हजार 847 लोगों के आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया गया।

कैट ने पीयूष गोयल को पत्र भेजकर ई-कॉमर्स नीति एवं नियमों को जल्द लागू करने की मांग की

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वाणिज्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र भेजकर भारत में ई-कॉमर्स व्यापार को सुव्यवस्थित करने से संबंधित तीन सबसे महत्वपूर्ण नीतिगत पहलुओं जिनमें उपभोक्ता क़ानून के अंतर्गत ई-कॉमर्स नियम, ई-कॉमर्स नीति एवं ई-कॉमर्स में एफडीआई नीति पर एक नए प्रेस नोट को लागू करने की ओर उनका ध्यान दिलाते हुए कहा की जिस प्रकार से विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियाँ अपनी मनमानी कर रही हैं, उस पर लगाम लगाने के लिए ई-कॉमर्स नीति एवं नियमों को तुरंत लागू करना आवश्यक हो गया है।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया की अनेक व्यापारिक मुद्दों पर आगामी 4 अगस्त को कैट दिल्ली में एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर रहा है जिसमें कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया विशेष रूप से नागपुर से आ रहे हैं। देश भर में व्यापारी विदेशी ई-कॉमर्स के हाथों पहले ही बहुत उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। व्यापारिक समुदाय कई वैश्विक ई-कॉमर्स दिग्गजों द्वारा कानूनों और नियमों के बड़े पैमाने पर उल्लंघन से बुरी तरह प्रताड़ित हो रहा है।

पारवानी एवं दोशी ने कहा की यह अत्यंत खेद की बात है कि दो साल से अधिक समय से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कई बारपीयूष गोयल की सख्त और स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद ई-कॉमर्स कंपनियां नियमों एवं कानूनों का खुला उल्लंघन कर रही है जिसने एक तरह से देश के ई-कॉमर्स व्यापार में माई वे या हाईवे जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा की ई-कॉमर्स के माध्यम से कोई भी एफडीआई भारत में प्रवेश नहीं कर रहा है, बल्कि एफडीआई की आड़ में आने वाले पैसे का इस्तेमाल ई-कॉमर्स कंपनियां कैश बर्निंग या उनके द्वारा किये गए भारी नुकसान की भरपाई करने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा की भारत में ई-कॉमर्स लोकतंत्र से बिल्कुल भी समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा कि कैट का आग्रह है की ई-कॉमर्स नियमों के मसौदे में सख्त प्रावधान को ई-कॉमर्स नियमों में या ई-कॉमर्स नीति में या एफडीआई नीति में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

भारत में समान स्तर का ई-कॉमर्स व्यवसाय प्रदान करने के लिए ई-कॉमर्स को एक समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा कि अब यह स्पष्ट है कि कई विदेशी वित्त पोषित ई-कॉमर्स कंपनियां अपने व्यवसाय प्रथाओं में लागत से भी कम मूल्य पर माल बेचना , गहरी छूट, हानि वित्तपोषण, एक्सक्लूसिविटी ,इन्वेंट्री का मालिक होना और तरजीही विक्रेता प्रणाली को खुले रूप से अपनाये हुए हैं। कैट का स्पष्ट मत है कि भारी छूट और फ्लैश बिक्री पर रोक लगाने वाले प्रावधान,चयन करने की स्वतंत्रता वाली गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु नियमों एवं नीति में शामिल करना बेहद जरूरी है।

रीपा में स्थानीय नागरिकों को मिल रहा स्व रोजगार-मंत्री अकबर

श्रीकंचपनथ न्यूज

कवर्धा। राज्य शासन के वन, परिवहन, आवास,पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने कहा कि शासन की न्याय योजनाओं से किसानों को न्याय मिला है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सभी वर्गों के विकास लिए योजना बना कर कार्य रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने गौठान में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है।

वही गांव को उद्योग से जोड़ने के लिए जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में रीपा की स्थापना की गई है। जहां स्थानीय लोगों को स्वयं का रोजगार मिला है। वही शहरी क्षेत्रों में उद्योग की स्थापना के लिए अर्बन रूरल पार्क की स्थापना की गई है। मंत्री श्री अकबर बोड़ला विकासखंड के ग्राम खिरसाली, कटगो, राजपुरा और सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम बिरनपुर कला में आयोजित भेट मुलाकात को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और परंपरा को पुनर्जीवित करने का कार्य मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने किया है। ग्रामीण संस्कृति और खेल कूद को आगे बढ़ाने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरुआत की गई है। राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से गांव में खेल खुद के कार्यक्रम कराए जा रहे है। केबिनेट मंत्री श्री अकबर ने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा के दौरान किसानों के लिए हित के लिए धान का विक्रय प्रति एकड़ 15 क्विंटल से बढ़ाकर 20 क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की न्याय योजनाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन योजनाओं में छत्तीसगढ़ सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन श्रमिक मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना शामिल है। छत्तीसगढ़ सरकार देश की पहली सरकार है राज्य के भूमिहीन श्रमिको को 7 हजार रुपए देकर उसे आत्म संभल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को अपनी वायदा से बढ़कर समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीद रही है। उन्होने कहा कि हमने 25 सौ रुपये में धान खरीदने का वायदा किया था, लेकिन इस वर्ष 2640 रुपये में धान की खरीदी हो रही है. अंतर की राशि राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों भुगतान किया जा रहा है।

केबिनेट मंत्री श्री अकबर ने कहा कि हर परिवार का राशन कार्ड बनाया जा रहा है, चाहे वो गरीबी रेखा से नीचे हो या ऊपर हो। परिवार में सदस्य संख्या बढ़ने पर कार्ड को तोड़कर एक और नया कार्ड बना दिया जा रहा है। प्रदेश में 74 लाख से अधिक राशन कार्ड है। इस तरह छूटे हुए लोगों का भी राशन कार्ड बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने कबीरधाम जिला को मेडिकल कॉलेज की सौगात दी। जिसके लिए बजट में 50 करोड़ का प्रावधान किया गया है। केबिनेट मंत्री अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के 90 विधानसभा का दौरा कर आमजनों से सीधा संवाद कर रहे है। जनता से सीधा संवाद करने का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है या नही इसकी जानकारी लेना है। इसी के अनुरूप ही ग्राम पंचायत मुख्यालय में आम जनों से योजनाओं के लाभ की जानकारी लेने आए है।

उन्होंने कहा कि भेंट मुलाकात का उद्देश्य जन सामान्य से सीधा संवाद कर मांग, शिकायत और समस्याओं को जानकर उसे दूर करते हुए योजनाओं के लाभ का फीडबैक लेना है। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी बात सीधा मंत्री के सामने रखी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा0प्र0क्र0/ ऑन लाईन रजिस्ट्रेशन नम्बर 202307100400294, अ/2, 2022-23

पक्षकार का नाम: शकीला बेगम

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका शकीला बेगम आ. ईस्लाम खान निवासी क्वा.नं. 1 डी, सड़क 40 सेक्टर 08 भिलाई जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन एवं पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ0ग0भू0रा0सं0 1959 की धारा 172/ 59 (2) (5) के तहत् इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची: ग्राम / प.ह.नं. जहां भूमि स्थित है सिकोला, प.ह.नं. 08 तहसील एवं जिला दुर्ग, खसरा नम्बर 253/82, रकबा (क्षेत्रफल) 0.008 हे./ 900 वर्गफीट, प्रयोजन आवासीय।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24-07-2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

(मुहर) अनुविभागीय अधिकारी (रा0) दुर्ग, जिला दुर्ग

कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सूरजपुर। शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सूरजपुर में एन.एस.एस. स्वीप इकाई के तत्वावधान में एक दिवसीय मतदाता जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. एच.एन.दुबे के उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मास्टर ट्रेनर सी.बी. मिश्रा तथा दिग्विजय सिंह ने स्वीप प्रोग्राम वोटर हेल्पलाइन एप तथा संभाग में आयोजित किये जा रहे, चला संगी वोट देहे का विस्तृत वर्णन किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. जिला सूरजपुर के डिस्ट्रिक्ट ऑर्गेनाइजर चंद्रभूषण मिश्रा ने पहली बार मत देने वाले विद्यार्थियों को शपथ भी दिलाई। एन.एस.एस. इकाई की प्रोग्राम ऑफिसर सुश्री पुजांजली भगत ने आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी के संबंध में प्रकाश डाला।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई कार, एक की मौत

डौंडीलोहारा। दल्लीराजहरा मुख्य मार्ग में ग्राम पोपलाटोला के मोड़ पास एक कार अनियंत्रित होकर पत्थर को टक्कर मारते हुए पेड़ में जा टकराई। इस घटना में दुर्ग हरिनगर निवासी अजय शाहिनी 46 की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अजय शाहनी अपने परिवार के साथ बुधवार को दल्लीराजहरा अपने ससुराल आए थे। रात को लगभग दस बजे अपने घर दुर्ग वापस जा रहे थे। तभी लगभग साढ़े दस बजे घटना घटी। उनके साथ में उनकी पत्नी कल्पना और दो बच्चे अनुष्का व आर्यन थे। पत्नी और बच्चों को मामूली चोट आई हैं। नगर के हॉस्पिटल में प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी कर दिया गया।

संजीवनी 108 के ईएमटी गोपाल सोनकर व पायलट बिगेश्वर साहू ने बताया कि घटनास्थल पहुंचने पर देखा तो दुर्घटना के बाद कार एक पेड़ के सहारे रुकी हुई थी। उसके नीचे गहरा खाई नुमा था। वाहन चालक स्टेयरिंग में फंसा हुआ था। स्थिति भी खराब थी। कार कभी भी खाई में लुढ़क सकती थी। रोड के किनारे सुरक्षित रस्सी के सहारे खींचकर लाया गया फिर स्टेयरिंग में फंसे वाहन चालक को निकाला गया।

टीआई एलपी जायसवाल ने बताया कि रात्रि लगभग दस बजे मृतक अपनी फैमिली के साथ कार से दल्लीराजहरा से दुर्ग की ओर जा रहे थे तभी कार अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराकर पास ही स्थित एक पेड़ से टकराकर रुक गया। वाहन चालक अजय के सिर पर चोट लगी। जिन्हें संजीवनी 108 की मदद से नगर के शासकीय अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विवेचना अधिकारी एएस आई जमींदार चंद्रवंशी ने बताया कि प्रार्थी राजेश कुमार वासन की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया है।

युवती को हाई कोर्ट परिसर में जान से मारने की धमकी

बिलासपुर। सुनवाई के लिए हाईकोर्ट आई युवती के साथ दूसरे पक्ष के लोगों ने कोर्ट परिसर में ही अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। घटना चकरभाठा थाना क्षेत्र की है। नेहरू नगर एमआईजी 55 निवासी शिखा सिंह पिता डॉ. एसबी सिंह (35) बुधवार 26 जुलाई को केस की सुनवाई में हाईकोर्ट गईं थी। वे कोर्ट हाल नंबर 3 में मौजूद थी। इसी दौरान गंगा नगर सेक्टर-02 निवासी प्रियंका सिंह पति मनीष सिंह, पियूषा सिंह पिता मनीष सिंह बैस व उनके रिश्तेदार जगदीप सिंह ने मिले। उन्होंने शिखा सिंह के खिलाफ अभद्रता की।

शिखा सिंह अनसुना कर आगे बढ़ गई। सुनवाई के बाद कोर्ट के हाल नंबर 3 के सामने से गुजर रही थी, तो तीनों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। प्रियंका सिंह ने कोर्ट परिसर के बाहर से निकलने पर शिखा सिंह को मार डालने की धमकी दी। शिखा ने इस मामले की थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी प्रियंका सिंह, पियूषा सिंह व जगदीप सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 294,506,34 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

8 जिलों में 54 करोड़ से ज्यादा की ठगी, विनायक होम्स एंड रियल स्टेट का फरार संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ की जशपुर पुलिस ने प्रदेश के 8 जिलों में 54 करोड़ से ज्यादा की ठगी कर फरार हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। छत्तीसगढ़ के 08 जिले जशपुर, सरगुजा, कोरिया, बलरामपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायपुर एवं बलौदाबाजार के 11396 निवेशकों से 54,38,11,862 रुपए की ठगी करने वाले विनायक होम्स एंड रियल स्टेट प्राईवेट लिमिटेड के फरार संचालक इंदौर निवासी फूलचंद बिशे को जशपुर पुलिस ने उज्जैन से गिरफ्तार किया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए उज्जैन में झोपड़ीनुमा मकान बनाकर छिपकर रह रहा था। इस मामले में अन्य आरोपी युवराज मालाकार व जितेन्द्र बिशे को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

बता दें आरोपी फूलचंद बिशे ने अपने 4 अन्य साथियों के साथ मिलकर जिला जशपुर के कुल 792 निवेशकों से 1 करोड़ 60 लाख 51 हजार 534 निवेश कराकर ठगी की थी। इस मामले में सिटी कोतवाली जशपुर में धारा 420, 120 (बी) व छग निक्षेपकों का हित संरक्षण अधिनियम की धारा 10 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इस मामले

में विनायक होम्स प्राईवेट लिमिटेड चिटफंड कंपनी के संचालक जितेन्द्र विशे निवासी अम्बेडकर नगर इन्दौर, फूलचंद विशे निवासी अम्बेडकर नगर इन्दौर, योगेन्द्र विशे निवासी अम्बेडकर नगर इन्दौर, कालू सिंह वर्मा निवासी टिकरिया रायगढ़ व युवराज मालाकार निवासी देवास नाका इन्दौर अपराध दर्ज किया गया था।

आरोपियों द्वारा विनायक होम्स एंड रियल स्टेट प्राईवेट लिमिटेड कंपनी में रकम निवेश करने पर जमा रकम तीन गुना होने का झांसा दिया था। इस प्रकार आरोपियों ने जशपुर थाना क्षेत्र के कुल 785 निवेशकों से 1 करोड 59 लाख 85 हजार 534 रुपए का निवेश कराया था। इस मामले में पुलिस ने युवराज मालाकार व जितेन्द्र बिशे पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं आरोपी फूलचंद बिशे के थाना नागझिरी जिला उज्जैन (मध्य प्रदेश) क्षेत्र में रहने की सूचना मिली। सूचना के आधार जशपुर से टीम बनाकर उज्जैन भेजा गया।

टीम द्वारा 02 दिनों तक स्थानीय पुलिस के सहयोग से पतासाजी कर दबिश दी और फूलचंद को गिरफ्तार किया। प्रकरण के दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक रविशंकर तिवारी, एएसआई मनोज साहू, प्रधान आरक्षक त्रिनाथ यादव, कार्तिक भगत, आरक्षक अमित त्रिपाठी, आरक्षक बसंत खुंटिया, आरक्षक विनोद यादव, आरक्षक गोविन्द यादव, आरक्षक अनिल सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यश ड्रीम रियल स्टेट कंपनी की संपत्ति नीलाम करने की कार्रवाई शुरू, आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। यश ड्रीम रियल स्टेट कंपनी के विरूद्ध संपत्ति की कुर्की की कार्यवाही के संबंध में लंबित प्रकरण पर कुर्की का अंतिम आदेश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही कंपनी की कुर्क संपत्ति को नीलाम करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कंपनी द्वारा कई लोगों से निवेश कराने के बाद उनके पैसे वापस नहीं किए गए। अब इनकी संपत्ति नीलाम कर निवेशकों को नियमानुसार रकम वापस किया जाएगा।

निवेशकों के हितों का संरक्षण के अधिनियम 2005 के तहत निवेशकों से धन राशि जमा कराकर उनके धन की राशि वापस नहीं किये जाने के कारण यश ड्रीम रियल स्टेट कंपनी और संचालकों की संपत्तियों को कुर्क करने के लिए अंतरिम कुर्की आदेश को विशेष न्यायालय दुर्ग द्वारा अत्यांतिक (अंतिम) पुष्टि किया गया है। कलेक्टर दुर्ग पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा कुर्की की गई संपत्ति का विकय तथा निवेशकों को नियमानुसार राशि वापसी की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु

तहसीलदार दुर्गए भिलाई-3 एवं पाटन को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में संबंधित तहसीलदारों द्वारा 15 दिनों का ईश्तहार जारी कर दिया गया है। कंपनी के डायरेक्टरर्स के द्वारा किसी प्रकार से आपत्ति व स्थगन आदेश प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में 15 दिवस उपरांत कंपनी के नाम पर धारित संपत्ति के नीलामी की तिथि निर्धारित की जाएगी।

विदित हो कि वर्ष 2016 से लेकर आज तक की स्थिति में कुल 10141 निवेशकों के द्वारा लगभग राशि 47,84,79,068 रूपये (अक्षरी- संतालीस करोड चौरासी लाख उन्नासी हजार अड़सठ रुपये मात्र) की वापसी हेतु आवेदन किया गया है। निवेशकों की राशि वापसी हेतु कंपनी के नाम पर तहसील दुर्ग भिलाई-3 एवं पाटन में स्थित लगभग 50 एकड़ भूमि की नीलामी की कार्यवाही की जा रही है। जिला बालोद में स्थित लगभग 2 एकड़ भूमि को नीलामी हेतु जिला कलेक्टर बालोद को निर्देशित किया गया है। नीलामी की कार्यवाही में किसी प्रकार से न्यायालयीन बाधा नहीं आने की स्थिति में आगामी 01 से 02 माह के भीतर निवेशकों को राशि वापसी की कार्यवाही पूर्ण कर ली जायेगी।

नदी में डूब रहे पड़ोसी को बचाने की कोशिश में डूबा युवक, नहाते समय हुआ हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में गुरुवार को नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। भतीजे के साथ नहाने गया युवक नदी में डूब रहे अपने पड़ोसी को बचाने के लिए कूदा। पड़ोसी तो बच गया लेकिन वह खुद डूब गया। करीब दो घंटे की तलाश के बाद युवक की लाश बाहर निकाली जा सकी। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। युवक अपने भतीजे के साथ नदी में नहाने के लिए गया हुआ था।

मिली जानकारी के मुताबिक, रामानुजगंज के वार्ड 4 निवासी उमेश कश्यप (30) अपने 10 वर्षीय भतीजे आनंद कश्यप पुत्र विजय कश्यप व पड़ोसी युवक शिवमंगल शर्मा (20) के साथ दोपहर करीब 12:30 बजे ओमनी वाहन से पलटन घाट नहाने गया था। नहाने के दौरान उसका भतीजा डूबने लगा। उसे बचाने के लिए गया पड़ोसी युवक भी डूबने लगा। दोनों को बचाने के लिए उमेश ने नदी में छलांग लगाई। इस दौरान उमेश स्वयं डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही सैकड़ों की संख्या में लोग पलटन घाट पहुंच गए।

जिस समय उमेश अपने भतीजे आनंद एवं शिवमंगल को बचाते हुए डूबने लगा। शिवमंगल किसी प्रकार से किनारे तक आ गया, परंतु उमेश का भतीजा आनंद डूब रहा था। इस दौरान झारखंड से आए एक युवक ने लकड़ी का सहारा देकर आनंद को बाहर निकाला। इसके बाद युवक ने वही डंडा उमेश की जान बचान के लिए उसकी ओर बढ़ाया, परंतु उमेश डंडा नहीं पकड़ पाया और डूब गया। मौके पर मौजूद कुछ युवकों ने साहस दिखाया और करीब दो घंटे बाद उमेश कश्यप का शव बाहर निकाला जा सका।

अकलतरा में मालगाड़ी डिरेल, पटरी से उतरी कई बोगियां, रूट पर कई ट्रेने प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को बड़ा ट्रेन हादसा हो गया। जांजगीर चांपा जिले के अकलतरा में मालगाड़ी डिरेल हो गई। इस दौरान कई बोगियां पटरी से उतर गई। हादसे के बाद रुट पर कई यात्री ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद रेलवे के आला अफसर मौके पर पहुंचे। फिलहाल मौके रूट को सामान्य करने का प्रयास किया जार है।

बता हें मुंबई-हावड़ा का बेहद व्यस्ततम रूट पर मालगाड़ी डिरेल हो गई है। ट्रेन की करीब दर्जन भर बोगियां पटरी से उतर गईं। हादसे के बाद कई यात्री ट्रेनों को आउटर में रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि बिलासपुर से मालगाड़ी रायगढ़ की ओर जा रही थी। इसी दौरान अकलतरा और नैला रेलवे स्टेशनों के बीच अकलतरा ईस्ट केबिन के पास मालगाड़ी की कई बोगियां डिरेल हो गईं। इसके बाद ट्रैक पर पड़े वैगनों को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है।

हादसे की सूचना के बाद कोरबा और बिलासपुर से राहत दल भी भेजा गया है। हादसा कैसे हुआ इसका स्पष्ट कारण तो सामने नहीं आया लेकिन बताया जा रहा है कि जब मालगाड़ी मुंबई-हावड़ा मुख्य मार्ग के मिडिल लाइन पर आई तब ईस्ट केबिन के पास ट्रैक बदलने के दौरान हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर पहुंची टेक्निकल टीम द्वारा मालगाड़ी के डिब्बों को हटाकर रूट को बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं रेलवे के अफसरों की ओर से कहा गया है कि मालगाड़ी के डिरेज होने से रुट को फिर से पूरी तरह बहाल होने के समय लग सकता है।

ट्रांसपोर्ट सामान की आड़ में नशीली सिरप की तस्करी 8640 शीशी सिरप के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

सक्ती (ए)। सक्ती जिले में भारी मात्रा में नशीली सिरप का जखीरा जब्त किया है। साथ ही पुलिस ने इसकी तस्करी करते ट्रक के साथ 2 तस्करों को भी पकड़ा है। ट्रांसपोर्ट सामान के अंदर छिपाकर आरोपी नशीली सिरप की तस्करी कर रहे थे। जिनके पास से करीब 9 हजार नग बोतल मिली है। मामला सक्ती थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, दोनों आरोपी कोरबा से सक्ती होते हुए

चांपा जा रहे थे। जिसे पुलिस ने रास्ते में गांव डडाई में घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में ट्रक सवार लोगों ने अपना नाम कैलाश कुमार तिवारी उम्र 43 साल और मोहम्मद तौशिक उम्र 33 साल बताया। फिलहाल दोनों को थाने लाकर आगे की पूछताछ की जा रही है।

ट्रक की नंबर प्लेट के मुताबिक वाहन यूपी का है। जिसका नंबर UP 64 AT 6529 है। पुलिस ने जब इसकी तलाशी ली तो सामान के पीछे 36 बोरी नशीली सिरप मिली। हर बोरी में 2-2 कार्टून थे और प्रत्येक कार्टून में 120 नग शीशी सील बंद थी। सूत्रों के मुताबिक सक्ती के भी किसी कारोबारी को सिरप की डिलीवरी होती है। आरोपियों ने उनका नाम भी लिया है।

सक्ती मे अवैध रूप से नशीली सिरप बेचने का कारोबार जोर शोर से चल रहा है। इस अवैध काम के मुनाफे को देखते हुए युवा वर्ग भी इसके जाल मे फंस कर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। वहीं इससे मानसिक संतुलन भी खराब होता है।

बेटी से दुष्कर्म की कोशिश कर रहा था नशेड़ी, पिता ने टोका तो कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में हत्या का सनसनीखेज ममला सामने आया है। नशे में धुत युवक अपने पड़ोस के घर में जबरन घुस गया और लड़की से दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। इस पर पिता ने नशेड़ी युवक को टोका तो उसने गुस्से से लोहे की पाइप से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। बीच बचाव करने पहुंची पत्नी को भी मारा और मौके से भाग गया। इधर गंभीर रूप से घायल लड़की के पिता को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार जर्रा गांव निवासी नकुल घीवेलिया, उसकी पत्नी हेमाबाई और उसकी बेटी अपने घर पर खाना खाने के बाद सोने की तैयारी कर रहे थे। इसबीच शराब के नशे में धुत पड़ोसी अर्जुन कर्री (26) पहुंचा और जबरदस्ती घर में घुसने का प्रयास करने लगा। इस पर नकुल घीवेलिया ने उसे भगा दिया। इसके बाद भी भी अर्जुन कर्री चुपके से उसके घर में घुस गया और यही रहूंगा कहकर विवाद करने लगा।

इस बीच नशेड़ी अर्जुन नकुल की बेटी से छेड़छाड़ करने लगा। इस पर नकुल उसे घर से निकालने लगा। इस दौरान नशे में धुत अर्जुन कर्री ने पास ही चूल्हें के पास पड़ी लोहे की पाइप पकड़ी और उससे नकुल के सिर पर कई वार किए। यह देख उसकी पत्नी हेमाबाई ने बचाव का प्रयास किया तो उसे भी मारकर वह भाग गया। नकुल गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

निगम कर्मचारी, अधिकारियों को मिला वेतन

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर नियमित सफाई कर्मियों,प्लेसमेंट सफाई कर्मी,वाहन चालक,कम्प्यूटर ऑपरेटरों,एमसीसी प्लेसमेंट कर्मचारियो का वेतन 10 जुलाई को कर दिया गया था।शेष बचे कर्मचारी/अधिकारियों का वेतन निगम की वित्तीय स्थिति ठीक नही होने के कारण 25 जुलाई को माह जून का वेतन भुगतान कर दिया गया है।वेब पोटर्स पर वेतन भुगतान को लेकर मिथ्या एक भ्रामक खबर फैलाई जा रहा है। सभी कर्मचारियों/अधिकारियों के वेतन भुगतान चेक बैंक को प्रेषित कर दिया गया है। नगर निगम के किसी भी कर्मचारी/अधिकारियों का वेतन भुगतान शेष नही है।इसके बाद भी बावजूद इस संबंध में सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरे फैलाई जा रही है।

आवेदकों के लिए खुशखबरीः अगली लॉटरी 2 अगस्त को

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के घटक मोर मकान मोर आस किरायेदारी श्रेणी के आवेदकों के लिए खुशखबरी है।महापौर धीरज बाकलीवाल ने हर्ष के साथ सूचित करते हुए कहा है कि 10 हितग्राहियों को आवास ऋण हेतु लगभग 30 लाख स्वीकृत कराया गया है,और आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने बताया कि जल्द ही फॉर्च्यून के 5 और लोगों को चाबी सौंपी जाएगी।नोडल अधिकारी दिनेश नेताम ने जानकारी देते हुए कहा कि 153 परिवारों को अभी तक लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया जा चुका, आबंटित परिवार जल्द से जल्द डाटा सेंटर स्थित कार्यालय से अपना आबंटन पत्र लेने हेतु अपना 2 पासपोर्ट फोटो लेते हुए स्वय लावे, रिश्तेदारों को न भेजें।सहायक नोडल अधिकारी जितेन्द्र समैया ने पात्र आवेदकों से अनुरोध किया है कि शीघ्र प्रथम किश्त की राशि जमा कर देवें जिनसे उनको भी अगली लॉटरी में शामिल किया जा सके।आज दिनांक तक,चतुर्थ चरण की लॉटरी में 17 नए आवेदक शामिल हैं।अतः आगामी 2 अगस्त के पूर्व प्रथम किश्त जमा करते हुए चतुर्थ लॉटरी में आवास आबंटन प्राप्त कर लेवें।

चला अभियानः घुमंतू मवेशियों को भेजा गोठान, रोका छेका अभियान निरन्तर जारी

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत आज घुमंतू मवेशियों की धरपकड़ के लिए गुरुवार को दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में रोका छेका अभियान चलाया गया। आज इस अभियान को चलाकर दिनभर में शहर के इंदिरा मार्किट,पटेल चौक,मार्केट रोड, शिवम मॉल के आस पास,अग्रेसन चौक,राजेन्द्र चौक,मालवीय नगर चौक,गंज पारा,पद्मभनापुर,जेल तिराहा मुख्य मार्गों, पांच विल्ड़िंग के अलावा रायपुर नाका सहित अन्य जगहों से पकड़े गए मवेशियों को दुर्ग निगम के पुलगांव व कृषि उपज मंडी तथा भिलाई के नेवई गोठान में रखा गया है।आवारा मवेशियों के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कत होती हैं और कभी-कभी लोग दुर्घटना का शिकार भी हो जाते है। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर धर-पकड़ के लिए आज फिर दुर्ग निगम क्षेत्र में रोका छेका अभियान चलाया गया। मोहल्ले में विचरण करने वाले घुमंतू मवेशियों को नगर निगम क्षेत्र में भी घुमंतू मवेशियों मवेशी मालिकों से अपील की है कि अपने की धरपकड़ के लिए संयुक्त अभियान मवेशियों को खुले में न छोड़े और अभियान चलाया जाएगा।

सड़क पर बैठे आवारा मवेशियों पर प्रशासन सख्त कलेक्टर का निर्देश पशुपालकों पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सड़क पर बैठे आवारा मवेशियों को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने गुरुवार को अफसरों को इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क पर बैठे आवारा मवेशियों से किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर पशुपालक पर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने नगरीय निकाय के अधिकारियों की बैठक लेकर सड़कों से पशुओं को हटाने कार्ययोजना की निकायवार जानकारी ली।

अधिकारियों ने बताया कि नगर पालिका अहिवारा के गौठान में 199 पशु, नगर पंचायत पाटन के गौठान 187 पशु, नगर पालिका जामुल के गौठान में 70 पशु, नगर निगम भिलाई-चरोदा के गौठान 162 पशु, नगर पंचायत धमधा के गौठान 120 पशु, नगर पालिका कुम्हारी के गौठान में 217 पशु, नगर पालिका अमलेश्वर के गौठान में 290 पशु, नगर पंचायत उतई के गौठान में 292 पशु, नगर निगम भिलाई के गौठान में 818 पशु, नगर निगम दुर्ग के गौठान में 455 पशु, नगर निगम रिसाली के गौठान में 245 पशु रखे गये हैं। उक्त सभी पशु रोका-छेका अभियान के तहत गौठान तक लाये गये हैं। पशुपालकों को आवश्यक समझाईश देकर उनके पशु को गौठान से ले जाने भी दिया जा रहा है। कलेक्टर मीणा ने अधिकारियों को नगरीय निकायों में वार्डवार केम्प लगाकर पशुओं को टैग लगाने और पशुचिकित्सा विभाग द्वारा टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा हैं। पशुपालकों द्वारा खुले में पशु छोड़ने तथा दोबारा गौठान में पशु लाये जाने या सड़क में पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत संबंधित तहसीलदार द्वारा लीगल नोटिस जारी कर भारतीय दण्ड संहिता की धारा-133 के तहत कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान गौठान में निर्धारित अवधि तक पशु का संपूर्ण खर्च पशुपालक से वसूला जाएगा। ज्ञात हो कि पशुओं के सड़कों पर विचरण से विगत वर्ष 2021 में तीन, 2022 में दस व 2023 में अब तक छह लोगों की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो चुकी है। उक्त सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान रखते हुए अवांरा पशुओं के सड़कों पर नियंत्रण रखने हेतु नगरीय निकायों में कड़े कदम उठाये जा रहे हैं। बैठक में नगर निगम दुर्ग के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, नगर निगम रिसाली के आयुक्त आशीष देवांगन, संयुक्त कलेक्टर गोकुल रावटे एवं एच.एस. मिरी और अन्य नगरीय निकायों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कामधेनु विश्वविद्यालय में बकरी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति एवं संभागायुक्त दुर्ग महादेव कावरे (आई.ए.एस.) के मार्गदर्शन व मुख्य आतिथ्य तथा अधिष्ठाता डॉ.एस.के.तिवारी के कुशल नेतृत्व में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा के तत्वाधान में बकरी पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास में 26 जुलाई को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ.आर.के.सोनवणे, निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ.संजय शाक्य, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ.दिलीप चौधरी, आयोजक डॉ.रामचंद्र रामटेके, समस्त विभागाध्यक्ष, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ की गरिमामय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर कुलपति श्री कावरे ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आपकी आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार प्राप्ति हेतु एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़ के परिवेश में बकरी पालन एक अच्छा व्यवसाय हो सकता है, बकरी पालन मैदानी इलाकों में आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर अधिष्ठाता डॉ.एस.के. तिवारी ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारे देश में 20वीं पशुसंगणना के अनुसार बकरियों की कुल संख्या 14.8 करोड़ है जो कि विश्व की कुल बकरी संख्या का लगभग 25 प्रतिशत है बकरियों की संख्या के हिसाब से चीन के बाद भारत का द्वितीय स्थान है।

भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रित परिवार हेतु निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का हुआ आयोजन

दुर्ग। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, दुर्ग के प्रांगण में ए. एस. जी. आँख के अस्पताल, रायपुर के सहयोग से जिला दुर्ग, बालोद, कबीरधाम एवं बेमेतरा में निवासरत भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के लिए 26 जुलाई 2023 को अपरान्ह 10:00 बजे से सायंकाल 4:00 बजे तक निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का उदघाट्न संचानालय सैनिक कल्याण कार्यालय, रायपुर के संचालक ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, व्ही.एस. एम द्वारा किया गया। इस पुनीत कार्य हेतु ए. एस. जी आँख अस्पताल के सदस्यों को धन्यवाद किया तथा भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के स्वास्थ्य के प्रति संचालनालय की प्रतिबधता दुहराई। ए. एस. जी. आँख के अस्पताल से आये 05 मेडिकल सदस्यों में शामिल डाक्टर देवेष कुमार डहरिया ने सभी भूतपूर्व सैनिकों के आंख का परिक्षण एवं उनका निदान किया।

बच्चों ने लालन-पालन में कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के लोक निर्माण कृषि व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू स्वामी विवेकानंद सभागार पदमनाभपुर में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र देशमुख सहित अधिकारी मौजूद थे। मंत्री ताम्रध्वज साहू ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों की देखभाल करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शासन की कन्या विवाह योजना, सक्षम योजना एवं नोनी सुरक्षा आदि योजनाओं का क्रियान्वयन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं द्वारा पूरा हो पाता है। यह अपने आप में एक बहुत बड़ा मायने रखता है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि वह एक परिवार के रूप में कार्य करती है। अपने घर का संचालन करने के साथ साथ फील्ड के दौरान बच्चों को सीखने का कार्य भी करती है। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कार देकर एक आदमी बनाने की बात कही। मंत्री श्री साहू ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी वर्गो के लिए योजना बनाई है, जिससे सभी को लाभ मिल सके। बेटी पढाओं बेटी बचाओं का उद्देश्य उसे आगे बढ़ाना और साथ ही उनका संरक्षण करना है। बेटी आगे बढ़ेगी तो समाज आगे बढ़ेगा। बेटी को सुरक्षित नही कर पाएंगे तो इस नारे का कोई अर्थ नही है। बेटो को संस्कारी बनाओं और बेटी को सम्मान दो। उत्कृष्ट कार्यो के लिए महिला स्व सहायता समूह हुए सम्मानित- गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने श्रीमती देवकी साहू पर्यवेक्षक छत्तीसगढ़ महिला को सक्षम योजना में बेहतर वसूली के प्रयास, श्रीमती रेखा लोनारे पर्यवेक्षक नोनी सुरक्षा योजना में सबसे अधिक हितग्राही लाभान्वित, श्रीमती इंदु मिश्रा पर्यवेक्षक सेक्टर में सबसे कम कुपोषण श्रीमती शशि रैदास पर्यवेक्षक शाला पूर्व शिक्षा के बेहतर संचालन, श्रीमती तृप्ति शर्मा पर्यवेक्षक कंप्यूटर टेक्नोलॉजी का बेहतर ज्ञान, गतेश्वर रावटे सहायक ग्रेड 2 कार्यालय में अधिकारी एवं सहकर्मी के साथ बेहतर समन्वय के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया।

विधायक अरुण वोरा के साथ स्कूली बच्चों ने लगाए पौधे, बच्चों के बीच पौधे का वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पर्यावरण की दूषित होने के लिए स्कूली बच्चों के बीच आज विधायक अरुण वोरा ने शासकीय आदर्श कन्या विद्यालय के बच्चों के साथ पैधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

बच्चो को पौधारोपण के महत्व से अवगत कराया।बच्चो के साथ विधायक ने स्कूल परिसर में छायादार व फलदार पौधे नीम,आम,अमरूद, कदंब और गुलमोहर के पौधे लगाए। पौध-रोपण में वार्ड पार्षद नजहत परवीन,एल्डरमेन राजेश शर्मा,अनिल सिंह शामिल हुए।स्कूल की प्राचार्या व शिक्षिकाओ ने भी पौधे लगाए,स्कूल परिसर में लगे मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना दाई-दीदी क्लिनिक स्पेशल कैम्प शासकीय आदर्श कन्या विद्यालय का निरीक्षण कर जानकारी ली। आर्दश कन्या विधालय में लगें दाई दादी क्लिनिक शिविर में आज 212 विद्यार्थीयों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ निशुल्क दवाइयां दी गयी नेत्र सम्बन्धित समस्या के साथ- साथ जनरल चेकउप भी विद्यार्थियों का किया गया, और 20 बालिकाओं का हेबोग्लोबिन जांच किया गया। इसके अलावा केवल 3 विद्यार्थियों को आंखों में समस्या थी जिन्हें निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया। इस दौरान विधायक अरुण वोरा ने कहा की महिलाओं को निशुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी,उन्हें अस्पतालो में जाने की जरूरत नही पड़ेगी।विधायक ने दाई-दीदी क्लिनिक शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की है। विधायक अरुण वोरा ने आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं से परिचर्चा का अवसर मिला। मैंने छात्राओं से एक तय लक्ष्य बना कर पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से उसे पाने की कोशिश में जुट जाने की अपील की।ठीक उसी तरह जैसे छत्तीसगढ़ सरकार, लक्ष्य दर लक्ष्य बनाकर गरीबी, विषमता, कुपोषण को दूर कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर रही है; बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, अधोसंरचना जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा पा रही है।ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल मिलने से हम निरंतर विकास के नये सोपान चढ़ रहे हैं। इस दौरान मैंने उन्हें मूल से जुड़े रहने की बात कही, क्योंकि पौधा वृक्ष तभी बनता है, जब वह अपने जड़ से जुड़ा हो, जो पौधा अपने जड़ को छोड़ देता है, वह ठूंठ बन कर रह जाता है। उन्होंने बच्चों से कहा खूब तरक्की करो बच्चों, छत्तीसगढ़ महतारी का नाम रोशन करो।

निलेश शिवलाल ने जन्मदिन के अवसर पर देहदान की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जयंती नगर निवासी गुजराती दाबेली सेंटर के संचालक निलेश शिवलाल भाई वाढेर ने आज अपने जन्मदिन के अवसर पर अपने देहदान की घोषणा कर देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,रितेश जैन,हरमन दुलाई को सौंपी। नीलेश की माता जी सावित्री बेन, पत्नी आशा वाढेर व् भतीजी कुसंगी बेन ने देहदान हेतु सहमति दी । निलेश ने कहा आज जन्मदिन को शुभ घडी मानते हुए हमने यह निर्णय लिया ताकि जन्मदिन सार्थक हो सके और मुझे वर्षों तक यह जन्मदिन याद रहेगा, मेरे जाने के बाद मेरे शरीर से समाज का भला हो मै रहूं न रहूं यही मेरे जीवन की पहचान रहेगी

दयाराम भाई टांक ने कहा पटरी पार के लोग नीलेश की दाबेली के दीवाने हैं अतः दाबेली की वजह से नीलेश पुरे क्षेत्र में लोकप्रिय है अतः उनके देहदान से जागरूकता बढ़ेगी लोग नीलेश का अनुसरण करेंगे । नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य जितेंद्र हासवानी ने कहा हमारी संस्था लगातार लोगों को नेत्रदान ,देहदान व रक्तदान हेतु जागरूक कर रही है जिसके सुखद परिणाम आ रहे हैं भविष्य में यदि कोई देहदान व नेत्रदान पर कोई जानकारी चाहता है तो हमारे सदस्यों से सम्पर्क करे या 9827190500 / 9340007904 नंबर पर फोन कर जानकारी ले सकता है।

आवश्यकता अनुरूप रिसाली का हो रहा विकास - ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

105 लाख से बनेगी नाली, सड़क, मंच और सामुदायिक भवन

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक व प्रदेश के लोक निर्माण, गृह और कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू लगातार दूसरे दिन निगम क्षेत्र में भूमिपूजन किया। उन्होंने एक करोड़ 5 लाख 4 हजार राशि स्वीकृति कराई है। गुरूवार को मंत्री ने भूमिपूजन करते कहा कि आवश्यकता अनुरूप रिसाली में विकास हो रहा है।

क्षेत्रीय विधायक व मंत्री भूमिपूजन करने मरोदा सेक्टर पूर्व, मरोदा सेक्टर पश्चिम, टंकी मरोदा, मरोदा कैंप, डीपीएस रिसाली सेक्टर होते एकता मंच वार्ड 10 पहुंचे।

कार्यक्रम के बाद उन्होंने निगम क्षेत्र के टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों से चर्चा कर आश्वस्त किया कि प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जा रहा है। टाउनशिप होने की वजह से पहले संयंत्र प्रबंधन से चर्चा कर औपचारिकता पूरी करनी होती है। उन्होंने कहा कि वे लगातार अधिकारियों से चर्चा भी कर रहे है। मूलभूत सुविधा के तहत टाउनशिप में पानी निकासी संसाधन और सुगम मार्ग उपलब्ध कराने सीसी रोड और मंच निर्माण के लिए मंत्री ने भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, पीसीसी महामंत्री जितेन्द्र साहू, एमआईसी अनुप डे, चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविंद चतुर्वेदी, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार, पार्षद सरिता देवांगन, जमुना ठाकुर, अनिल कुमार, डॉ. सीमा साहू, शीला नारखेड़े, रेखा देवी, संजू नेताम, विनय नेताम, विधि यादव एल्डरमेन संध्या वर्मा, मो. निजाम आदि उपस्थित थे।

आज यहां होगा भूमिपूजन

मंत्री ताम्रध्वज साहू शाम 5 बजे वार्ड 22 अवन्ती उद्यान, 5:15 बजे वार्ड 26 कल्पमुक्ता अपार्टमेंट के पास, 5:30 बजे वार्ड 31 रिसाली बस्ती सब्जी मार्केट मंच के पास, 5:45 बजे वार्ड 28 शीतला मंदिर, 6 बजे वार्ड 29 शारदा विद्यालय के सामने एवं 6:15 बजे वार्ड 30 मील पारा में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इन कार्यो का हुआ भूमिपूजन

वार्ड 11 में पुलिया निर्माण 14.25 लाख, मंच शेड 6 लाख, वार्ड 12 पेवर ब्लाक 14.07 लाख, वार्ड 13 सामुदायिक भवन 13.02 लाख, नाली निर्माण 1.07 वार्ड 14 सीसी रोड 1.74, नाली निर्माण 3.33 लाख, सीसी रोड 6.85 लाख, मंच निर्माण 2.15 लाख, वार्ड 9 में नाली निर्माण 7.79 लाख, नाली निर्माण 6.49 लाख, शौचालय निर्माण 5.00 लाख।

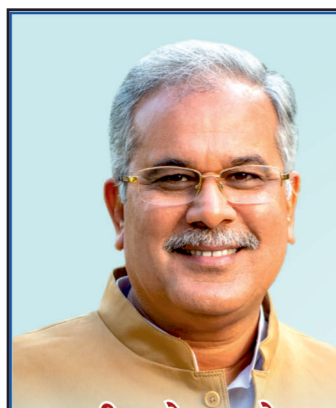

श्री भूपेश बघेल
मान. मुख्यमंत्री,
छत्तीसगढ़ शासन

विश्व हेपेटाइटिस दिवस

28 जुलाई 2023

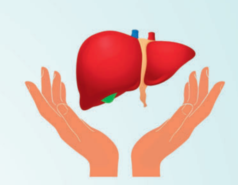

हेपेटाइटिस बी एवं सी कैसे फैलता है ?

- असुरक्षित इंजेक्शन के उपयोग से।
- गोदना एवं कान, नाक छिदवाने के लिए संक्रमित सुई और स्याही के उपयोग से।
- असुरक्षित यौन संबंध से।
- संक्रमित रक्त और रक्त उत्पाद के संपर्क में आने से।

हेपेटाइटिस बी एवं सी से बचाव

- इंजेक्शन तथा रेजर ब्लेड को एक बार ही उपयोग में लाएं।
- रक्त या रक्त उत्पाद पंजीकृत ब्लड बैंक से ही लिए जाएं।
- सभी नवजात को हेपेटाइटिस बी का जन्म खुराक (Birthdose) आवश्यक रूप से दिया जाना चाहिए।
- नवजात को हेपेटाइटिस संक्रमण से बचाने के लिए सभी गर्भवती महिलाओं को हेपेटाइटिस बी की जांच करवानी चाहिए।
- हेपेटाइटिस बी धनात्मक माता से जन्म लिए नवजात शिशु को हेपेटाइटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन (HBIG) जन्म खुराक के साथ 24 घंटे के भीतर दिया जाना चाहिए।

RO-37888/27

हेपेटाइटिस के लक्षण दिखने पर उपचार हेतु निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950